हिंदी डेली
आपकी बात- हमारे साथ

2025 नववर्ष की शुभकामनाएं

dailyhindihyd@gmail.com | E-paper-hindidailyweb.in | http://hindidaily.net

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 66 Wednesday, 1 January 2025 , बुधवार , १ जनवरी २०२५ HYDERABAD 8 PAGES RS.1.00

नए साल का आगाज, आतिशबाजी के साथ स्वागत

- दुनिया में सबसे पहले न्यूजीलैंड में आया नया साल,जश्न की शुरुआत
- भारत में जबरदस्त स्वागत, रंग-बिरंगी रोशनी के बीच जश्न में झूमे लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में नए साल की एंट्री हो गई है। दुनिया में सबसे पहले न्यूजीलैंड साल 2025 का जश्न शुरू हो गया है। दुनिया के सबसे पूर्वी हिस्से में स्थित होने के कारण, न्यूजीलैंड में सबसे पहले नए साल का जश्न मनाया जाता है। ऑकलैंड के चर्चित स्काई टावर पर नए साल पर जबरदस्त आतिशबाजी की गई। न्यूजीलैंड में भारत से साढ़े 7 घंटे पहले, जबकि अमेरिका में साढ़े 9 घंटे बाद नया साल आता है। इस तरह पूरी दुनिया में नया साल आने की जर्नी 19 घंटों तक जारी रहती है। दुनियाभर में अलग-अलग टाइम जोन के कारण 41 देश ऐसे हैं जो भारत से पहले नए साल का स्वागत करते हैं। इनमें किरिबाती, समोआ और टोंगा,

ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, म्यांमार, जापान इंडोनेशिया, बांग्लादेश, नेपाल आदि देश हैं। दुनिया में नए साल 2025 का आगाज हो गया है। न्यूजीलैंड की राजधानी ऑकलैंड के लोगों ने सबसे पहले नए साल का जश्न मनाना शुरू कर दिया। वहीं भारत में 31 दिसंबर रात की 12 बजते ही लोगों ने सड़क के बाहर आकर नए साल का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने जमकर आतिशबाजी भी की। प्रशांत महासागर के पास बसे कुछ सुदूर द्वीपों किरिबाती, टोंगा और समोआ के बाद नए साल 2025 का आजाग न्यूजीलैंड में हुआ है। यह देश नए साल के स्वागत करने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में है। अन्य देशों की बात करें तो न्यूजीलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया, जापान, उत्तर और दक्षिण कोरिया में जश्न मनाया गया।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में अकेले मैदान में उतरेगी बीजेपी

शिंदे और अजित पवार के बिना ताकत दिखाने की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी अपने शानदार प्रदर्शन से आत्मविश्वास से लबरेज नजर आ रही है। इस बात का अंदाजा सूत्रों के हवाले से सामने आ रही इस खबर से लगाया जा सकता है, कि बीजेपी आगामी निकाय चुनाव में अपने गठबंधन सहयोगियों से अलग होकर चुनावी

मैदान में दिखाई दे सकती है। बीजेपी को विधानसभा चुनाव में 133 सीटें मिली थीं। चुनाव के दौरान ऐसा माना गया कि संघ की रणनीति के रहते बीजेपी को यह सफलता मिली। अब निकाय चुनाव के लिए भी संघ ने बीजेपी के लिए माहौल बनाना तैयार कर दिया है। शुरुआती खबरें हैं कि बीजेपी को अपनी ताकत दिखाने के लिए एकनाथ शिंदे और अजित पवार से अलग चुनाव लड़ने के लिए कहा जा रहा है। भाजपा ने महाराष्ट्र निकाय चुनावों से पहले अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है। पार्टी ने एक मजबूत सदस्यता अभियान के साथ-साथ बूथ, मंडल और जिलों के प्रमुखों की नियुक्ति के लिए अपनी संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भारत की सीमा से सटे नेपाल के इटहरी में बम धमाके

राजावादी संगठन की धमकी, नए साल पर जाने वाले हो जाएं सावधान

काठमांडू (एजेंसी)। नए साल पर जश्न मनाने के लिए नेपाल की वादियों की सैर करने की चाहत बना रखने वाले लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह नेपाल के राजावादी नाम के संगठन की बम धमाका करने की धमकी है। संगठन ने धमकी देने के साथ ही मंगलवार सुबह तीन स्थानों पर धमाके भी किए हैं। भारत नेपाल सीमा से महज तीस किलोमीटर की दूरी पर हुए बम

पहाड़ों की बर्फीली हवा से कांप रहा है उत्तर भारत

- एमपी-यूपी और हरियाणा के 86 जिलों में शीतलहर
- जम्मू-कश्मीर में टेम्परेचर माइनस 10 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के तीन राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी जारी है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों मे तापमान माइनस 10 डिग्री तक पहुंच गया है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कई सड़कें बंद हैं। बर्फबारी देखने के लिए हिमाचल के शिमला में पिछले 2 दिनों में 24 हजार वाहनों में 80 हजार से ज्यादा टूरिस्ट न्यू ईयर का जश्न मना पहुंचे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को पहाड़ों की बर्फीली हवा से यूपी, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली में तापमान गिरेगा। उत्तर भारत में शीतलहर और घने कोहरे का अनुमान है। उत्तर प्रदेश के 52 जिलों में शीतलहर चल रही है। 60 जिलों में घना कोहरा है। मुरादाबाद और आजमगढ़ मे

विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई है। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर 37 ट्रेनें 8 घंटे तक लेट आईं। हरियाणा के 14 शहरों में शीतलहर का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में भी तापमान लगातार गिर रहा है। नीमच में पारा 3.5 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं, राजस्थान 3 दिन तक कोल्डवेव का अलर्ट है।

इस बार के महाकुंभ में पहली बार होगा ड्रोन शो

दिखाई जाएंगी पवित्र कहानियां, पौराणिक कथाओं के होंगे दर्शन

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक महाकुंभ मेला लगने जा रहा है। जो दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है। बता दें, ये मेला 12 साल में एक बार लगता है। इस बार महाकुंभ में आने वाले टूरिस्ट्स के लिए ड्रोन शो भी आयोजित किया जाएगा, जिसका नजारा मंत्रमुग्ध करने वाला होगा। ड्रोन शो के दौरान आसमान में एक नहीं आपको कई रंगों से रोशन होगा। अगर आप भी महाकुंभ में ड्रोन शो एंजॉय करना चाहते हैं, तो पहले शो से जुड़ी डिटेल्स जान लीजिए। उसी हिसाब से आप महाकुंभ में आने की प्लानिंग कर सकते हैं। यह पहली बार होगा कि उत्तर प्रदेश टूरिज्म डिपार्टमेंट ड्रोन लाइट शो की मेजबानी करेगा। महाकुंभ मेले में इस बार हर कोई इसे देखने के लिए बेताब है। बता दें, 12 साल में एक बार लगने वाले महाकुंभ मेले में भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी टूरिस्ट्स आ रहे हैं। ऐसे में इस ड्रोन शो के बेहतर करने की तैयारी जोरों पर है। हम सभी जानते हैं कि महाकुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में हो रहा है। ऐसे में अगर आप ड्रोन शो का आनंद लेना चाहते हैं, तो आपको संगम नोज एरिया में आना होगा। यही से ड्रोन शोक का आयोजन किया जाएगा। 12 साल में एक बार लगने वाले इस मेले में आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ आ सकते हैं और खूबसूरत यादें बना सकते हैं।

सीएम आतिशी, संजय सिंह के खिलाफ करूंगा मानहानि का केस

आम आदमी पार्टी के आरोपों से आहत हुए कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही राजनीतिक दल एक दूसरे पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इस क्रम में दिल्ली कांग्रेस के नेता संदीप दीक्षित ने सीएम आतिशी और आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की बात कही है। संदीप दीक्षित कांग्रेस की तरफ से नई दिल्ली विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं। संदीप दीक्षित ने कहा कि 5-6 दिन पहले दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा कि मैं बीजेपी से बहुत बड़ी रकम ले रहा हूं...पिछले 10-12 सालों से वे कांग्रेस, मुझे और मेरे परिवार को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पास एएपी से पूछने के लिए कई सवाल हैं।

मणिपुर हिंसा पर सीएम बीरेन सिंह ने मांगी माफी, कहा-सॉरी

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने राज्य में हुई हिंसा और उसमें हुई जनहानि को लेकर माफी मांगी है। बीरेन सिंह ने कहा कि पूरा साल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। इसका मुझे बहुत दुख है। 3 मई 2023 से लेकर आज तक

- बोले-मुझे माफ करें, हमें गलतियों से सीखना होगा

जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए मैं राज्य के लोगों से माफी मांगता हूं। सीएम बीरेन सिंह ने सेक्रेटिएट में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा- कई लोगों ने अपने प्रियजन को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे वास्तव में

खेद है। मैं माफी मांगना चाहता हूं। मणिपुर में 3 मई 2023 से कुकी-मैतेई समुदाय के बीच हिंसा जारी है। मैतेई-कुकी समुदाय के बीच भड़की हिंसा को 600 से ज्यादा दिन बीत चुके हैं। बीरेन ने बताया,मणिपुर में मई 2023 से अक्टूबर 2023 तक गोलीबारी की 408 घटनाएं दर्ज की गईं। नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक 345 घटनाएं हुईं। मई 2024 से अब तक 112 घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, राज्य में पिछले महीने से शांति है। हिंसा की कोई घटना नहीं हुई। छिटपुट प्रदर्शन के लिए भी लोग सड़कों पर नहीं उतरे। सरकारी दफ्तर रोजाना खुल रहे हैं और बच्चों की तादाद बढ़ रही है।

एम्स में 'गंभीर मरीजों' का अब अलग से होगा इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बड़ा तोहफा देने का जा रहा है। अब गंभीर मरीजों को इलाज के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। अस्पताल में ऐसे मरीजों के लिए अलग सेक्शन तैयार किया जा रहा है। ऐसे मरीजों के लिए जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के परिसर में एक नया 'क्रिटिकल केयर' सेक्शन बनाएगा। अभी तक गंभीर रूप से परेशान मरीजों को इलाज के लिए ओपीडी के चक्कर लगाने पड़ते थे। एम्स के निदेशक डॉ एम श्रीनिवास ने बताया कि नए सेक्शन में 200 अतिरिक्त बिस्तर होंगे। इससे अस्पताल की क्षमता बढ़ेगी। इसके बनने के बाद इमरजेंसी वार्ड में आने वाले मरीजों को तत्काल इलाज हो सकेगा। इसके अलावा एम्स की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए एआई कैमरे लगाए जा रहे हैं।

कन्याकुमारी में देश के पहले समुद्री ग्लास ब्रिज का उद्घाटन

- विवेकानंद मेमोरियल से तिरुवल्लुवर प्रतिमा तक 77 मीटर लंबा पुल,37 करोड़ लागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का पहला समुद्री ग्लास ब्रिज तमिलनाडु के कन्याकुमारी के तट पर बनकर तैयार हो गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 77 मीटर लंबे और 10 मीटर चौड़े इस ब्रिज का उद्घाट सोमवार शाम क किया। ब्रिज के बनने से टूरिस्ट कन्याकुमार के तट पर विवेकानं रॉक मेमोरियल से सीधे 133 फीट ऊ तिरुवल्लुवर प्रति तक पहुंच सकते हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार के 37 करोड़ रुपए खर्च हुए। कन्याकुमारी टूरिजम अधिकारी ने बताया कि ग्लास ब्रिज पर नीचे समुद्र है। ब्रिज पर चलने से ऐसा लगता है जैसे हम समुद्र पर चल रहे हों। धनुषाकार आर्च ग्लास ब्रिज को तट पर चलने वाली तेज हवा को झेलने के हिसाब से डिजाइन किया है। उद्घाटन के दौरान सीएम स्टालिन, डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन, राज्य के मंत्रियों और सांसद कनिमोझी पुल पर पैदल चले। उद्घाटन के बाद तिरुवल्लुवर की प्रतिमा पर लेजर लाइट शो का भी आयोजन किया गया। कन्याकुमार स्थानीय लोगों के मुताबिक, तिरुवल्लुवर 2,000 साल पहले कन्याकुमारी में रहते थे। उन्होंने 1,330 दोहे के लिखे थे, जिन्हें तिरुक्कुरल के नाम से जाना जाता है। तमिलनाडु के लोगों के मुताबिक, इन दोहों में आज की समय समय की हर समस्या का समाधान है। कन्याकुमारी तट के पास समुद्र में एक रॉक पर बनी प्रतिमा का अनावरण किया गया था।

यूपी पुलिस की साख पर सवाल उठा रहे फर्जी केस!

कोर्ट में भी करा चुके हैं सरकार की किरकरी,लग सकती है रोक

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पुलिस पर कई बार सवाल उठते रहे हैं। आजम खान की भैंस खोजने की घटना से लेकर ठांय-ठांय एनकाउंटर तक को लेकर यूपी पुलिस सवालों के घेरे में आ गई है। वहीं, अब फर्जी केस के मामलों ने यूपी पुलिस की साख पर सवाल खड़ा कर दिया है। ताजा मामला फर्रुखाबाद का है। अगस्त में बाइक मैकेनिक को गलत तरीके से जेल भेजने के मामले मे पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया है। इसके साथ ही फर्जी केस का मुद्दा जोर पकड़ने लगा है। इस मामले में एडीजी कानपुर जोन के आदेश पर मोहम्मदाबाद थाने के तत्कालीन प्रभारी मनोज भाटी, दरोगा महेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल अंशुमन, राजनपाल और यशवीर सिंह को नामजद आरोपी बनाया गया है। कौशांबी के सर्राफा व्यवसायी से लूटकांड के आरोपी विजय कुमार सोनी के एनकाउंटर मामले में भी पुलिस बुरी तरह फंसी। कोर्ट ने एसटीएफ प्रभारी, थाना प्रभारी चरवा समेत 12 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। विजय की मां अंजू देवी की ओर से प्रयागराज के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि 10 सितंबर

2023 को चरवा थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह, एसओजी प्रभारी सिद्धार्थ सिंह दो गाड़ियों में पुलिस टीम के साथ घर आए थे। उनके बेटे को घर से उठा ले जाया गया। अंजू देवी ने आरोप लगाया कि लूट में फर्जी बरामदगी दिखाकर गोली मार दी गई।

संपादकीय

2008 की मंदी के बाद सबसे बड़ी गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार और डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट आर्थिक विकास की दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। डालर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर लंबे समय से नीचे का रुख किए हुए है। अब विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से घटना शुरू हो गया है। बीते सप्ताह शुक्रवार को इसमें 8.48 अरब डालर की कमी दर्ज की गई। यह 2008 की मंदी के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इसके पिछले हफ्ते भी 1.99 अरब डालर की गिरावट दर्ज हुई थी। सितंबर में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 704.88 अरब अमेरिकी डालर के अपने सर्वाधिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। मगर उसके बाद इसमें लगातार कमी दर्ज हो रही है। अब विदेशी मुद्रा भंडार गिर कर 644.87 अरब अमेरिकी डालर पर पहुंच गया है। हालांकि यह स्तर अभी चिंताजनक नहीं माना जा सकता, मगर जिस तरह निरंतर इसमें गिरावट दर्ज हो रही है, व अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार गिरने का अर्थ है कि अपेक्षित विदेशी निवेश नहीं आ पा रहा। इसकी वजह भी साफ है। अमेरिकी डालर लगातार मजबूत हो रहा है, जिसके चलते विदेशी निवेशक भारत से अपना पैसा निकाल कर लगाने लगे हैं। दुनिया के कारोबार में डालर की स्थिति अहम भूमिका निभाती है। डालर कमजोर होता है, तो विदेशी निवेशक दूसरे देशों का रुख करने लगते हैं। मगर जैसे ही डालर मजबूत होने लगता है, वे अमेरिकी बाजार का रुख कर लेते हैं। कोरोना के बाद मंदी की मार झेल रहे अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने अपने यहां ब्याज दरों में बदलाव किए। इससे निवेशकों को वहां निवेश करने के लिए आकर्षित

करने में मदद मिली। फिर, डोनाल्ड ट्रंप के दुबारा राष्ट्रपति चुने जाने और आर्थिक नीतियों को लेकर उनके बयानों से निवेशकों में विश्वास जगा है कि निवेश की दृष्टि से अमेरिका ज्यादा फायदेमंद जगह है। इसका असर भारत के मुद्रा भंडार पर भी पड़ा है। मगर केवल यही कारण प्रमुख नहीं है। सबसे अहम बात है कि हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। निर्यात पर जोर देने के बावजूद इसमें बेहतरी के संकेत नजर नहीं आ रहे। आयात लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधा असर घरेलू उत्पादन और बाजार पर पड़ रहा है। यह अकारण नहीं है कि पिछली कुछ तिमाहियों से विनिर्माण क्षेत्र हिचकोले खाता नजर आ रहा है। सभी महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में औद्योगिक उत्पाद गिरा है। जब तक इस क्षेत्र में मजबूती नहीं आएगी, तब तक रुपए की कीमत और विदेशी मुद्रा भंडार में बेहतरी की उम्मीद धुंधली बनी रहेगी। रुपए की कीमत गिरने से विदेशी निवेशकों का उत्साह भी कम होता है। कोई भी निवेशक ऐसी जगह अपना पैसा नहीं लगाना चाहता, जहां उसे मुनाफा न हो। फिर तमाम कोशिशों के बावजूद महंगाई अपने उच्च स्तर पर बनी हुई है, जिसके चलते भारतीय बाजार में चमक नहीं लौट पा रही। इसका बड़ा कारण प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी न हो पाना है। पिछले कई सालों से लोगों की आय यथावत बनी हुई है, जबकि उसकी तुलना में महंगाई काफी बढ़ चुकी है। जाहिर है, इसके चलते उपभोक्ता व्यय घटा है। ऐसी स्थिति में स्वाभाविक ही सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की दर नीचे गई है। जब तक मानव विकास के मोर्चे पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक तदर्थ उपायों से अर्थव्यवस्था में बेहतरी लाने की कोशिशें नाकाम ही साबित होंगी।

मानसिक उथल-पुथल के नाजुक दौर से गुजर रहे बच्चे

अगर माता-पिता अपने बच्चे को वक्त बर्बाद न करने और पढ़ाई करने की हिदायत देते हैं, तो यह बच्चों के हित में ही होता है। मगर विडंबना है कि आजकल बहुत सारे बच्चों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जा रही है, जो उनके भावनात्मक या मानसिक रूप से बेहद कमजोर होने का संकेत देती है। बहुत मामूली बातों पर किसी बच्चे के भीतर इतना गुस्सा उभरता है कि या तो वह प्रतिक्रिया स्वरूप अपने सामने के किसी व्यक्ति को या फिर खुद को ही नुकसान पहुंचा देता है। पिछले कुछ समय से अक्सर ऐसी खबरें सामने आने लगी हैं, जिनमें अभिभावक ने अपने बच्चे को पढ़ाई करने के लिए थोड़ा डांटा तो बच्चा इस कदर तनाव में आ गया कि उसने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से शनिवार को ऐसी ही एक खबर आई, जिसमें बारहवीं कक्षा में पढ़ाई करने वाली सत्रह वर्ष की एक बच्ची को उसके पिता ने पढ़ाई करने के लिए थोड़ी डांट लगाई, तो उसके बाद बच्ची ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। इससे पहले, हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे में भी एक बच्ची ने सिर्फ इसलिए अपनी जान दे दी कि उसकी मां ने उसे ज्यादा मोबाइल देखने के बजाय पढ़ाई पर ध्यान देने को कहा। बच्चों के भीतर उभर रही इस तरह की प्रवृत्ति व्यापक चिंता का कारण बनने लगी है। यह कहा जा सकता है कि किशोरावस्था में कई स्तर पर मानसिक उथल-पुथल के नाजुक दौर से गुजर रहे बच्चों से संवेदनशीलता के साथ पेश आना चाहिए। लेकिन इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि बच्चों के भीतर सहनशीलता और धैर्य की इस कदर कमी होने के पीछे कौन-सी परिस्थितियां और वजहें जिम्मेदार हैं कि वे अपने अभिभावकों की वैसी बातों पर भी काबू खो बैठते हैं, जो उनके हित के लिए कही गई होती हैं। मानवीय व्यवहार की कसौटियां और आधुनिक तकनीकी के संजाल के बीच इस जटिल होती समस्या पर समय रहते विचार करने की जरूरत है कि बच्चों के साथ बर्ताव और उनके भीतर प्रतिक्रिया के मामले में किस तरह एक संतुलित और परिपक्व समझ का विकास किया जा सकता है।

आज का कार्टून

दूरगामी लाभ का निर्णय है जिलों की समाप्ति का निर्णय

भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चे अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होंगी।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजनीतिक लाभ हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय करने में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणाभाग देखा जाता है और यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढ़ोये जाती है। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। निश्चित रुप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा भी दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर सबेर जनता उसे स्वीकार्य भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेषता का ठप्पा लगता वह अलग होता। आज भले ही विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हो पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डा. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रीमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रीमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई। इसलिए एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया निर्णय है। ना ही इसे जल्दबाजी में लिया निर्णय कहा जा सकता है। हांलाकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले ही प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह सब अच्छी तरह से साफ हो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय के रुप में ही देखा गया।

भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चे अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम

एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होंगी। सरकारी ऑफिस, सरकारी बंगले और ना जाने कितने ही कार्यों के लिए स्थान और आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ ही अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं और अन्य सेवाएं अलग होगी। हमारे सामने पुराने उदाहरण है जब राजसमंद, प्रतापमढ़, दौसा जिले बनाए गए और करौली व प्रतापगढ़ जिले का गठन किया गया। अब सबके सामने है कि इन जिलों को सही मायने में जिलो का आकार लेने में कितना समय लगा। आज भी कई स्थानों पर फिजिबल नहीं होने के कारण जिला सहकारी बैंक नहीं खुल पाएं है तो कई अन्य सरकारी दफ्तर शुरु नहीं हो पाये हैं। दरअसल जन हितकारी सरकार की पहचान लोकहित में दूरगामी परिणामों को देखते हुए निर्णय लेना होता है। हांलाकि लोकतंत्र में बहुत से निर्णय राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण न चाहते हुए भी लेने होते हैं तो कई बार ऐसा भी लगता है कि ऐन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए इस तरह के निर्णय ले लिए जाते हैं।

प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़बे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है। सरकार की प्रशासनिक और लोकहितकारी होने का इसी से पता चलता है कि वह जनहित में जोखिम भरे निर्णय लेने में भी कोई संकोच ना करें। लोकतंत्र में जनता और जनता का हित बड़ी बात होनी चाहिए क्योंकि सरकार द्वारा निर्णयों का तो असर दूर तक जाता है। कड़बे निर्णय यदि लोकहित में होते हैं तो जनता ऐसे निर्णयों को हाथोंहाथ लेती है। इसलिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सरकार बनने के पहले साल में ही बड़े निर्णय कर सबको चौंका दिया है। राजनीतिक लाभ हानि से परे हटकर मुख्यमंत्री ने 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय व्यापक जनहित में ही देखा जाना चाहिए।

आर्थिक विश्लेषकों को मानना है कि सरकार को अपने प्रशासनिक खर्चों को एक सीमा तक रखना चाहिए। हांलाकि सब कुछ जानते हुए भी होता इसके विपरीत ही है। सरकार राजस्व का अधिकांश खर्चा अपने प्रशासनिक दायित्वों वेतन-सुविधाओं में ही खर्च कर देती है वहीं नए जिले और संभाग बनने से प्रशासनिक खर्च बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी बात यह है कि नए जिले या संभाग बनाने के स्थान पर सरकारें को प्रशासनिक सेवाओं में सुधार और डिलीवरी सिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर देना चाहिए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजनीतिक जोखिम लेते हुए प्रशासनिक दृष्टि से सराहनीय निर्णय किया है। इससे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार ने प्रशासनिक दृष्टि से परिपक्वता का परिचय दिया है। हो सकता है कि निर्णय को लेकर विरोध देखने को मिले पर विरोध के खिलाफ भी सरकार को सख्ती दिखानी होगी इससे आमजन में सरकार और सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को सराहा ही जाएगा। सरकारों को राजनीतिक लाभ हानि के साथ ही व्यापक जनहित को भी ध्यान देना चाहिए और निर्णय लेने में किसी तरह का संकोच नहीं करना चाहिये। आज लोग निर्णय लेने वाली सरकार को पसंद करती है नाकि निर्णयों को टालने वाली सरकार को। इस मायने से भजन लाल शर्मा के एक साल के कार्यकाल का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए क्योंकि यह सरकार निर्णयों की सरकार बन गई है।

खत्म हो रही अलाव की दुनिया...

आज इंसान और आग के रिश्ते के बारे में सोचने को अतीतजीवी हो जाने के तौर पर देखा जाता है। शायद यह जैसा है, उसे स्वीकार करके आगे बढ़ने का इशारा है, लेकिन मनुष्यता की आत्मा का एक हिस्सा उसकी अतीत की स्मृतियों में दबा होता है। जिसने अपने अतीत की स्मृतियों को घूरे पर डाल दिया, उसने अपने भीतर की मनुष्यता में एक गहरा घाव लगा दिया। इसलिए हमें ऐसा करने से बचना चाहिए। बहरहाल, आग और किस्सों के रिश्ते पर फिर से लौटें तो न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के दूसरे कई मुल्कों में भी हमें इसके जीवंत प्रमाण आज भी देखने को मिल जाएंगे।

घनश्याम कुमार देवांश

अलाव क्या खत्म हुए, गांव, कस्बों और शहरों से पूरी की पूरी एक दुनिया ही खत्म हो गई लगती है। लगभग चार महीनों की सर्दी का मौसम इंसान अलाव पर आग की ओर हाथ फैलाए किस्से-कहानियां सुनते-सुनाते काट लेता था। चाहे कितनी ही गरीबी क्यों न हों, लोगों को दिन में अपने हिस्से का सूरज और रात को अपने हिस्से की आग मिल ही जाती थी। इतनी लकड़ियां भी कहीं न कहीं मिल ही जाती थीं। गांवों में बच्चों की पलटन को चरागाह से सूखी लकड़ियां और कंडे बीनने का काम मिल जाता था। और मजेदार बात ये थी कि ये कम भी नहीं पड़ते थे, गोया प्रकृति सबका हिस्सा अलगाकर बचाकर रख लिया करती थी। और शाम को जब अलाव जलता तो सबके चेहरे अलग ही तरह से खिल उठते।

धीरे-धीरे घर-चौपाल पर पड़े सब पीढ़े, टाट-बोरियां, कुर्सियां, मूढ़े इकट्ठे हो जाते थे। बच्चों में इस बीच थोड़ी धींगा-मुश्ती भी चलती, ताकि उन्हें बैठने की सबसे अच्छी जगह मिल सके। अंधेरा घिरता तो हमारे समाज के बुजुर्ग भी आग के किनारे सिमट आते। आग और बुजुर्ग, दोनों जैसे एक दूसरे को शोभायमान करते। बच्चे इधर से उधर और उधर से इधर होते रहते। जहां पहले मन रम जाता, वहां टिक जाते।

घंटे दो घंटे में हम बच्चों की आंखों में नींद उतर आती। आग में आलू और शकरकंदियां दबाई जातीं, जो सुबह अग्नि देवता के प्रसाद की तरह हम बच्चों को मिल जाती थीं। अलबत्ता कुछ प्रसादी रात को ही निपटाई जा चुकी होती, लेकिन हम एक उत्साहपूर्ण कौतुक से सुबह-सुबह उस गुनगुनी राख को कुरेदना नहीं भूलते। उन आलुओं और शकरकंदियों के स्वाद की तुलना और किस चीज से की जा सकती है, यह मैं आज तक नहीं जान पाया हूं। कभी-कभी मटर की फलियां भी आग में दबाई जाती थीं। उनकी मिठास के भी क्या कहने! किस्से सुनना और सुनाना तो आग के किनारे ही बैठकर सीखा। आग के किनारे बैठकर किस्से सुनते-सुनते किस्सागो बन जाने के भी उदाहरण मिल जाएंगे। इस दौरान भोर होने से लेकर दिन निकलने के बीच कितनी देर तक और फिर शाम ढलते ही रात के सोने तक कब और कितना सुना और सुनाया जाता था, किसी को अंदाजा भी नहीं लग पाता था। आज भी जब इतिहास और सभ्यता के पन्नों को पलटा जाए तो सर्दियों में आग का अहसास पूरी मनुष्यता में ऐसा फैला नजर आता है कि जिसके कभी न होने की कल्पना भी मुश्किल है। आग और नदियां ऐसी चीजें हैं, जिनका किनारा इंसान अभी तक खोजता आया है। जहां-जहां ये किनारे मिले, वहां-वहां मनुष्य का जीवन पनप गया। जब आग से उसकी दोस्ती हो गई, तब उसे कोई किल्लत नहीं रही। संसार का कौन-सा किनारा ऐसा है, जहां वह नहीं बसा? हिमालय की चोटियों से लेकर विशाल मैदानों तक।

आज इंसान और आग के रिश्ते के बारे में सोचने को अतीतजीवी हो जाने के तौर पर देखा जाता है। शायद यह जैसा है, उसे स्वीकार करके आगे बढ़ने का इशारा है, लेकिन मनुष्यता की आत्मा का एक हिस्सा उसकी अतीत की स्मृतियों में दबा होता है। जिसने अपने अतीत की स्मृतियों को घूरे पर डाल दिया, उसने अपने भीतर की मनुष्यता में एक गहरा घाव लगा दिया। इसलिए हमें ऐसा करने से बचना चाहिए। बहरहाल, आग और किस्सों के रिश्ते पर फिर से लौटें तो न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के दूसरे कई मुल्कों में भी हमें इसके जीवंत प्रमाण आज भी देखने को मिल जाएंगे। इंटरनेट पर जाकर खोजा जाएगा, तो ऐसी न जाने कितनी तस्वीरें सरलता से मिल जाएंगीं। सर्दी हो और आग हो तो अपने आप उसके किनारे देर तक बैठे रह सकते हैं। यह देर तक बैठना दिमाग की रचनात्मकता को वैसे ही कुरेदता है जैसे गीली मिट्टी किसी बीज के भीतर सोए पौधे को कुरेदती है। संसार की न जाने कितनी कथाओं का जन्म इसी आग के किनारे हुआ होगा। हमने आग को सिर्फ भोजन और सुरक्षा से जोड़कर देखा, लेकिन उसकी आंच में पकने वाली मनुष्यता और कहानियों को भूल गए। आज हमें इस रिश्ते को फिर से जगाने की जरूरत है। हमें उन जगहों को फिर से निर्मित करना होगा, जहां इंटरनेट और आधुनिक तकनीकी की दुनिया से दूर हम शांत मन से एक दूसरे की आंखों और आत्मा में झांक सकें और उन कहानियों को सुन सकें जो मन के भीतर दबी विलुप्त हुई जा रही हैं। हमें किस्सों की उस संस्कृति को बिना नष्ट किए बचाना होगा और उसे आने वाली पीढ़ी को हस्तांतरित करना होगा। उपयोगितावादी शायद इसकी उपयोगिता पर सवाल खड़ा करेंगे, लेकिन इसे टाला नहीं जा सकता, क्योंकि जब कभी उन्हें मनुष्यता की विरासत में उतरकर अपने मूल्यों को खोजने की जरूरत पड़ेगी तो इसके लिए उन्हें न केवल आग, बल्कि इन किस्सों की भी जरूरत पड़ेगी। मनुष्यता वृक्ष विज्ञान और नवाचार के जरिए सभ्यता रूपी आकाश की ऊंचाइयों को तो छू सकता है, लेकिन उसकी गहरी जड़ों के लिए इसी मिट्टी की जरूरत है जो आग, पानी और किस्सों में रची-बसी है। मनुष्यता को अपना अस्तित्व अक्षुण्ण रखने के लिए धरती के ऊपर और नीचे यह संतुलन साधना ही होगा।

अलग-अलग टाइम जोन के अनुसार होंगे दुनिया भर में उत्सव...

दुनिया भर में नए साल का जश्न एकता और विविधता का प्रतीक है, जहां हर देश अपनी-अपनी सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं और टाइम जोन के अनुसार नए साल का स्वागत करता है।

जैसे-जैसे वर्ष 2024 का समापन हो रहा है, दुनिया भर में लोग नए साल का स्वागत करने के लिए तैयार हो रहे हैं। दुनिया के सभी हिस्सों में अलग-अलग समय पर नए साल की शुरुआत होती है जिससे दुनिया भर में नववर्ष के स्वागत की एक अनूठी श्रृंखला बन जाती है।

किरिसमास द्वीप सबसे पहले करता है वेलकम...

सबसे पहले नए साल का स्वागत किरिसमास द्वीप में होगा जो क्रिसमस आइलैंड भी कहलाता है। यह द्वीप किरीबास गणराज्य का हिस्सा है। इसके बाद न्यूजीलैंड के टोंगा और चाथम द्वीपों पर पारंपरिक समारोह और शानदार आतिशबाजी के साथ नया साल मनाया जाता है। यहां की सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक रिवाज नए साल के जश्न को और भी खास बना देते हैं।

आखिरी स्थान, बेकर और हाउलैंड द्वीप

विश्व में नए साल का अंतिम जश्न बेकर और हाउलैंड द्वीपों पर मनाया जाएगा, जो अमेरिका के पास स्थित गैरनिवासी क्षेत्र हैं। इन द्वीपों की भौगोलिक स्थिति के कारण यह दुनिया के अंतिम स्थान हैं जहां नया साल मनाया जाएगा। टाइम जोन में अंतर की वजह से दुनिया में कुछ देशों में नए साल का स्वागत लगभग 26 घंटे के अंतराल पर होता है।

ये देश भारत से पहले मनाते हैं नया साल

टाइम जोन में अंतर के कारण कुछ देश भारत से बहुत पहले नए साल का स्वागत करते हैं। इनमें किरीबास, सामोआ, टोंगा, न्यूजीलैंड, रूस, फिजी, ऑस्ट्रेलिया, पापुआ न्यू गिनी, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया, चीन, मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, भूटान, नेपाल शामिल हैं। इसके बाद भारत का नंबर आता है।

फिर आया नया वर्ष

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

दोस्तों, हर देश व संस्कृति में अलग अलग तारीख में नया वर्ष मनाये जाने की परम्परा पहले से ही चली आ रही है.लोग अलग अलग तरीके से इस आयोजन को मानते है, जैसे कोई दारू पीता है तो कोई पार्टी करता है, कही लोगो व्यर्थ में बैठे रहते है तो कोई मजे के नाम पर समय व पैसो की बर्बादी करता है.लेकिन कुछ लोग खुद में सुधार के लिए अच्छा काम भी करते है लेकिन समय बीतने के साथ ही वह अपने संकल्पों को जान-बूझकर तोड़ देते है और पुराने ढर्रे पर ही वापस आ जाते है. एक साल में ही 'ढाक के तीन पात' वाली स्थिति नजर आने लगती है। वैसे भी किसी नयी शुरुआत के लिए नये साल या किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा ही क्यों करना? इस बार हम नये साल क्या हर साल व हर क्षण को सार्थक करने के कुछ सरल तरीके बता रहे हैं जिसमे आपको अपने अंदर कुछ ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं है बल्कि आपको इन्हें तुरंत ही तन-मन-धन से भी अधिक ध्यान से अपनाने की जरूरत होगी.

कमाई और खर्चो का लेखा-जोखा रखें

दोस्तों, इस नव वर्ष में आपको सबसे पहले अपने खर्चे व होने वाली कमाई का एक लेखा जोखा जरुर रखना चाहिए.एक ऐसा लेखा जोखा बनायें जिसमें हर दिन के हिसाब से अपने प्रत्येक छोटे-से-छोटे खर्चे का भी उल्लेख करें किन्तु ध्यान रखें कि किसी को बुरा न लगे या किसी पर किया गया खर्चा 'अहसान जताने' जैसा न हो.हो सके तो ऐसा लगे भी ना ! आप अपना लेखा जोखा शुरू करोगे तो आपको अपने व्यर्थ खर्चो को न्यूनतम कर सकोगे साथ ही साथ इससे आपको विलासादि जैसे व्यर्थ खर्चे न्यूनतम करते हुए शून्य करने व अच्छे काम में किये गये खर्चो को बढ़ाने में सहायता होगी।

ब्रह्ममुहूर्त में उठने की आदत बनायें

दोस्तों, हमारे लिए सुबह उठना काफी फायदेमंद होता है और इससे हमारी बॉडी तरोताजा रहती है. सुबह जल्दी उठने से हमारे पास एक्स्ट्रा टाइम भी होता है.इसलिए सुबह सूर्य की पहली किरण पहुँचने से पहले उठकर स्नान करने की आदत एक बार बना ली तो यह बात गाँठ बाँध लीजिए कि आप अपनी पुराणी स्थिति की अपेक्षा अधिक सहज रहेंगे.आपका समय-प्रबन्धन अब कुछ ठीक प्रकार से हो जायेगा व आप दिन-रात ताम-झाम में डूबी रहने वाली व टाइम नहीं है जैसी समस्याओं से दूर हो जाओगे.अब आपके पास समय ही समय होगा और अपने दिन भर के काम आप एक ही दिन में पूरे करने लगोगे.

अपनी डायरी मैण्टैन करें

टीवी.के सामने व्यर्थ बैठे रहने, शराब, धूम्रपान करने में जो आपने अपना नुकसान किया उसका सारा लेखा-जोखा, कार्य व समय इत्यादि के अनुसार प्रतिदिन इस प्रकार लिखें कि जिस दिन आप उस निरर्थकता से बचे तो आपको आनन्द आयेगा व संतोष का अनुभव होगा तथा गम्भीरता से पालन किया तो किसी दिन ऐसी स्थिति भी आ जायेगी कि आपको यह सब लिखने की जरूरत भी अनुभव नहीं होगी या आप पूरी तरह से सुधर चुके होंगे। जब भी कोई उल्लंघन करें तो अपने आप को कुछ सजा दें, जैसे कि अगले दिन चाय-काफी बिल्कुल न पीयें, कल साईकल ही चलायें, कल 10-10 मिनटस तक कम से कम तीन बार रस्सी कूदें इत्यादि। गलती को दोहराने पर सजा की मात्रा व तीव्रता बढ़ा दें ताकि स्वयं को संदेश जाये कि अबकी बार अधिक सावधानी बरतनी है, या दण्ड झेलना और कठिन हो जायेगा।

मिट्टी के दो कटोरे में डेली पानी भरे

हाट जाकर देसी मिट्टी से बने दो सकोरे लायें जिन्हें प्रतिदिन धो-धोकर एक सकोरे में पेयजल भरें व दुसरे में मिश्रित देसी साबुत अनाज को मिक्स करके रखे, स्थानीय किराना दुकान या अनाज-व्यवसायी से बोलें.समस्त देसी व साबुत अनाजों का एक मिश्रण तैयार कर दें। शहर हो या गाँव हर स्थिति-परिस्थिति में पक्षियों व गिलहरियों को स्वच्छ पेयजल व पौष्टिक व स्वादिष्ट शुद्ध भोजन की कमी की सतत पूर्ति का यह सबसे सरल उपाय है एवं हम सबके 'मनुष्य' होने को परिभाषित करता ईश्वरीय उत्तरदायित्व भी।

बीज व वृक्षारोपण करे

अपने साथ यहाँ-वहाँ से इकट्ठे किये गये बीज (जैसे सीताफल, बकायन, आम, चीकू, जामुन, शीशम) रखें जिन्हें आप आते-जाते मार्ग में जहाँ-जहाँ या नम व कुछ सुरक्षित-सी लगने वाले भूमि में एक छोटी-सी लकड़ी से खोदकर गड़ाते चलें जिनमें से यदि 5 प्रतिशत भी पेड़ बने तो आपका समूचा प्रयास सफल ही कहा जायेगा. स्थानीय नर्सरी से कुछ ऐसे पेड़ खरीदे जो लोगों को बहुत भायेंगे, जैसे कि तेजपत्ता, दालचीनी, मीठी नीम, कपूर, गुग्गल, अमरूद, अनार, बेलपत्र, नारियल आदि, जहाँ-तहाँ पूछताछ जारी रखें व यदि कोई भूस्वामी, मकान-मालिक, मंदिर-पुजारी या दुकानदार अपने इलाके या अधिकार क्षेत्र में वह प्रजाति लगवाना चाहे तो वहाँ स्वयं अपने हाथों से लगाकर आयें व उसकी सुरक्षा व नियमित पानी देने का निवेदन भी करके आयें.

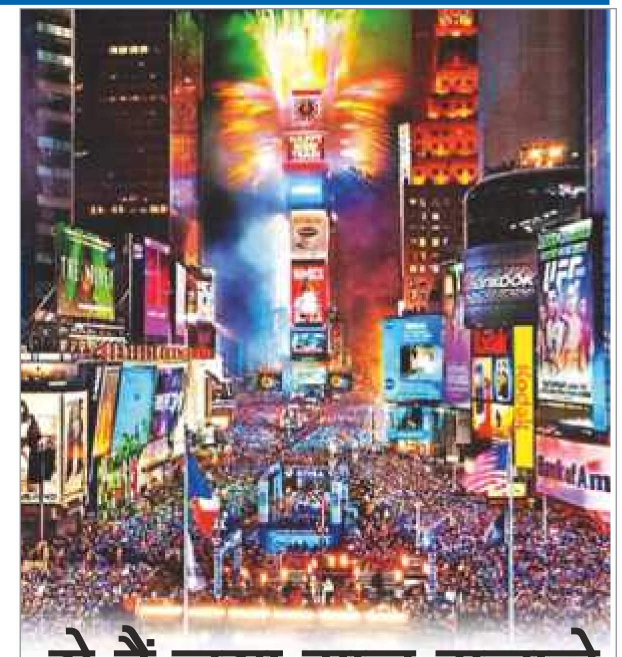

ये हैं नया साल मनाने के अनोखे तरीके

दुनियाभर में नए साल के जश्न की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। नए साल के मौके पर दुनियाभर में कई देश अनोखे तरीकों से जश्न मनाते हैं। आइए जानते है उन देशों के बारे में..

अमेरिका में ऊंचाई से तरबूज फेंककर मनाते हैं नया साल

अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर पर नये साल का सबसे अहम जश्न होता है और सबकी निगाहे झंडे के लंबे खंभे से नीचे उत्तरती एक रंगीन चमकती गेंद पर होती है। अस्सल में यह नए साल के लिए काउंटडाउन का प्रतीक है। इसके बाद कई अमेरिकी शहरों में देखा जाता है कि लोग नववर्ष की पूर्व संध्या पर पारंपरिक तौर पर कुछ चीजें ऊंचाई से फेंकते हैं। मिसाल के तौर पर इंडियाना में लोग ऊंच्चाई से तरबूज फेंकते हैं।

नीदरलैंड्स में सुबह-सुबह समुद्र के पानी में डुबकी लगाकर मनाते हैं नया साल

नीदरलैंड्स में नए साल का त्योहार बहुत मजेदार होता है। यहां का सबसे अनोखा रिवाज है ठंडे पानी में नहाना। इसे न्यूववार्सडुइक कहते हैं। लोग नए साल की सुबह समुद्र में डुबकी लगाते हैं। उनका मानना है कि इससे पूरा साल अच्छा बीतता है। यहां सबसे ज्यादा लोग शेवेनिंगेन बीच पर जमा होते हैं। नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम शहर में नए साल की रात बहुत रंगीन होती है।

स्पेन के लोग रात 12 बजे 12 अंगूर खाकर मनाते हैं जश्न

स्पेन के लोग या तो कैनरी द्वीप में नया साल मनाते हैं या फिर राजधानी मैड्रिड शहर जाते हैं। लेकिन हर जगह अंगूर खाने का खेल जरूर होता है। रात को जब 12 बजते हैं, तब सभी लोग जल्दी-जल्दी 12 अंगूर खाते हैं। घंटी की हर आवाज पर लोगों को एक अंगूर खाना होता है। लोग मानते हैं कि ऐसा करने से नए साल में अच्छी किस्मत मिलती है। वहां के लोग इन अंगूरों को किस्मत के अंगूर कहते हैं। सभी लोग पहले बड़े चौक प्लाजा दे एस्पाना में इकट्ठा होते हैं। फिर अंगूर खाने के बाद बार में जाकर सुबह तक नाचते हैं। पूरा माहौल खुशी और मस्ती से भरा होता है।

जापान-कोरिया में 108 बार घंटी बजाकर करते हैं नए साल की शुरुआत

नए साल के स्वागत से जुड़ी परंपराओं को लेकर अगर एशियाई देशों की बात की जाए तो जापान और दक्षिण कोरिया में घंटी बजाना सबसे कॉमन बात है। जगह-जगह नए साल की पूर्व संध्या पर लोग घंटी बजाते हुए दिखते हैं। जापान में नए साल पर 108 बार घंटी बजाना शुभ माना जाता है। इसलिए नए साल पर जापान में बहुत शोर होता है।

कंबोडिया में मोमबत्ती जलाने और दान देने की परंपरा

कंबोडिया के लीग नया साल मनाने के लिए साल के पहले दिन लोग मंदिरों में जाकर मोमबत्तियां और अगरबत्तियां जलाते हैं। यहां के लोग भगवान बुद्ध की पूजा करते हैं और अपनी अच्छी किस्मत के लिए प्रार्थना करते हैं। साल के दूसरे दिन लोग गरीबों को दान देते हैं। परिवार के लोग अपने पुरखों की याद में एक खास पूजा भी करते हैं। तीसरे दिन लोग भगवान बुद्ध की मूर्तियों को और अपने बड़े-बुजुगों के पैर धोते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से बुरी चीजे दूर हो जाती हैं और उन्हें अच्छी किस्मत आती है।

घर पर फैमिली के साथ ऐसे मनाएं नए साल का जश्न

नए साल का नाम सुनते ही सबसे पहले मन में आता है पार्टी। यकीनन यह एक ऐसा अवसर है, जब हर कोई पार्टी करने का मूड बनाता है। लेकिन कई बार आप चाहकर भी बाहर पार्टी करने नहीं जा पातीं। ऐसे में जरूरी नहीं है कि आप अपना मूड ऑफ़ करें। नया साल आ चुका है और अगर आप कहीं नहीं गई हैं तो घर पर रहकर आप बहुत सारे काम कर सकती हैं।

वैसे भी आपके देखने का नजरिया किसी चीज को अच्छा या बुरा बनाता है। आप बाहर जाकर यकीनन सबके साथ शोरगुल में शामिल हो सकती थीं, लेकिन तब आपको अपने परिवार के साथ नया साल मनाने का मौका नहीं मिलता। हो सकता है कि आपकी फैमिली भी आपके साथ होती, लेकिन तब भी आप उस फैमिली बॉन्डिंग के साथ नए साल का स्वागत नहीं कर पातीं। चूंकि अब आप घर पर हैं, तो आप एक शांत जगह पर अपने परिवार के साथ बेहद ही शानदार तरीके से नए साल का स्वागत कर सकती हैं और इस समय आप वह सबकुछ कर सकती हैं, जो शायद आप बाहर जाकर नहीं कर पातीं।

वैसे अगर आपको समझ नहीं आ रहा है कि आप नए साल का स्वागत घर पर रहकर फैमिली के साथ किस तरह करें।

साथ में कुकिंग करें

भले ही नए साल का जश्न बाकी लोग मना चुके हों, लेकिन आप अपनी 1 जनवरी को ही न्यू ईयर पार्टी कर सकती हैं। आप उस दिन खाना बनाएं। इसकी तैयारी थोड़ा पहले से शुरू कर दें। नया साल जीवन में नई उम्मीदें लेकर आता है तो क्यों ना इस खास अवसर पर आप कुछ अलग बनाएं। आप ऐसा कुछ ट्राई करें, जो आपने पहले कभी ना बनाया हो। इसके अलावा माहौल को देखते हुए आप कुछ स्नैक्स आइटम भी तैयार कर सकती हैं। अगर आप चाहती हैं कि कुकिंग में और भी ज्यादा मजा आए तो आप इसमें फैमिली के अन्य सदस्यों जैसे अपने पार्टनर व बच्चों को भी शामिल करें।

बोन फायर पार्टी

ठंड का मौसम हो और नए साल की शाम हो, तो घर पर बोर्नफायर पार्टी से बेहतर और क्या हो सकता है। अगर आपके घर के अंदर ही बोर्नफायर एरिया है तो आप वहां पर पार्टी का इंतजाम करें। अपने घर के टीवी पर कुछ बेहतरीन गाने व मूवी लगाएं। साथ में फैमिली के साथ मिलकर पॉपकॉर्न खाते हुए मूवी एन्जॉय करें। अगर आपके घर के भीतर बोर्नफायर प्लेस नहीं है तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर से बाहर गार्डन में या फिर छत पर भी यह अरेंजमेंट कर सकती हैं। तब आप सभी फैमिली मेंबर्स मिलकर मूंगफली, गजक, पॉपकॉर्न और कुछ मजेदार स्नैक्स खाते हुए कई तरह के गेम खेलें। यकीन मानिए, इसमें आपको बहुत ही ज्यादा मजा आएगा।

यह भी है तरीका

अगर आपके पास कार है तो नए साल के स्वागत के लिए आप घर से बाहर निकलकर फैमिली के साथ एक लॉन्ग ड्राइव ले सकती हैं। 1 जनवरी को बस निकल जाएं अपने परिवार के साथ बाहर। इस दौरान आप किसी चाट की दुकान पर रूककर मजेदार चाट खाएं या फिर ठंड के मौसम में सबके साथ मिलकर आईसक्रीम का मजा लें। नए साल की शाम पर बाजारों की रौनक अलग ही होती है। कुछ लोगों की कॉलोनी में ही नए साल का जश्नमनाया जाता है। आप चाहें तो फैमिली के साथ मिलकर उसका हिस्सा भी बन सकती हैं।

दीपिका पादुकोण की वजह से होगी कल्कि 2 की शूटिंग में देरी?

कल्कि 2898 एडी की अपार सफलता के बाद से ही फिल्म के प्रशंसक बेसब्री से इसके सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म के प्रशसंकों को थोड़ा और ज्यादा इंतजार करना पड़ सकता है। कथित तौर पर, कल्कि 2 की शूटिंग 2025 की गर्मियों में शुरू होनी थी, लेकिन इसकी शूटिंग में थोड़ी और देरी हो सकती है क्योंकि दीपिका अपनी बेटी दुआ की वजह से जल्दी काम पर लौटना नहीं चाहती हैं, जिसकी वजह से इसकी शूटिंग में और देरी हो सकती है। हाल ही में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने मुंबई में एक निजी कार्यक्रम आयोजित किया, जहां उन्होंने अपनी बेटी दुआ से पैपराजी को मिलवाया। वहीं इसी बीच मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसर, कार्यक्रम के दौरान जब दीपिका से कल्कि 2 के बारे में पूछा गया तो इस पर, अभिनेत्री ने कहा कि बेबी दुआ उनकी पहली प्राथमिकता हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस दौरान दीपिका ने कहा कि वह अपनी आगामी फिल्मों पर जल्दी काम शुरू नहीं करेंगी क्योंकि वह अपनी छोटी राजकुमारी को किसी नैनी के हाथों में नहीं सौपना चाहती हैं। दीपिका ने यह भी कहा, मैं अपनी बेटी को खुद पालूंगी, ठीक वैसे ही जैसे मेरी मां ने मुझे पाला है। दीपिका और रणवीर ने 8 सितंबर, 2024 को अपनी बेटी दुआ पादुकोण सिंह का स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी पोस्ट के जरिए अपनी बेटी के आने की खबर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। नवंबर में, कपल ने खुलासा किया कि उन्होंने उसका नाम दुआ रखा है, और इसका महत्व समझाया। उन्होंने लिखा, दुआ पादुकोण सिंह दुआ, जिसका अर्थ है प्रार्थना। क्योंकि वह हमारी प्रार्थनाओं का जवाब है। हमारे दिल प्यार और कृतज्ञता से भरे हुए हैं। दीपिका और रणवीर।

इस बीच, कल्कि 2898 एडी की बात करें तो यह फिल्म इसी साल 27 जून को रिलीज हुई थी और इसमें प्रभास, कमल हासन और अमिताभ बच्चन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसकी रिलीज के बाद से ही प्रशंसक फिल्म कल्कि 2 के आने का इंतजार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इससे पहले, निर्देशक नाग अश्विन ने कल्कि में दीपिका के किरदार की प्रशंसा करते हुए कहा, वह कहानी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जब हम लिख रहे थे, तब भी हमने इस पर बहुत चर्चा की थी। मुझे लगता है कि हम जिस सबसे सरल उत्तर पर पहुंचे, वह यह था कि आप किसका किरदार हटा दें और कहानी मौजूद न रहे? और वह दीपिका का किरदार बन गया। क्योंकि अगर आप उसका किरदार हटा दें, तो कहानी नहीं रहेगी। कोई कल्कि नहीं रहेगा।

दो बड़े एक्टर्स एक साथ काम नहीं करना चाहते; अनिल कपूर ने खोली इंडस्ट्री की पोल

अनिल कपूर और अनुराग कश्यप ने साल 2020 में एक वर्सेस एक फिल्म में विक्रमादित्य मोटवाने के साथ काम किया। फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। फिल्म रिलीज के चार साल बाद अनिल कपूर ने बताया कि वे इस फिल्म में खुद को देखकर बहुत आश्चर्यचकित हो गए थे। एके वर्सेस एके पर बोले अनिल कपूर टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में अनिल कपूर ने कहा कि लोगों ने एके वर्सेस एके में मुझे देखा तो वे आश्चर्यचकित हो गए। दिग्गज अभिनेता ने खुलासा किया कि संदीप रेड्डी वांगा, जिन्होंने उन्हें एनिमल के लिए साइन किया था, उनके्र्च 1ह्र्च साइन करने के बाद हैरान रह गए थे। फिल्म निर्माता को लगा कि यह फिल्म दिग्गज अभिनेता के स्टारडम को खत्म कर देगी।

रुपयों के लिए नहीं होता है काम

अनिल कपूर ने इस बातचीत में फिल्म और उसके लिए मिलने वाली फीस पर भी बात की है। अनिल कपूर ने कहा कि सभी प्रोजेक्ट रुपयों के लिए नहीं किए जाते कुछ अपने पैशन के लिए भी काम करते हैं। आज के मुख्य अभिनेताओं के बारे में बात करते हुए अनिल कपूर ने कहा कि एक अभिनेता दूसरे अभिनेता के साथ काम करने से कतराता है। उन्होंने कहा कि अगर हर कोई इस तरह से सोचता तो शोले जैसी फिल्म ही न बन पाती।

स्लमडॉग मिलेनियर का भी रहे हिस्सा

इसके साथ ही अनिल कपूर ने स्लमडॉग मिलेनियर को लेकर भी बात की। अभिनेता ने कहा कि वे स्लमडॉग मिलेनियर पर काम कर चुके हैं। इससे उन्हें कुछ अलग करने का मौका मिला था। अनिल कपूर ने कहा कि उन्हें डैनी बयॉल के साथ काम करने का मौका मिला था। अनिल कपूर इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए खुद को भाग्यशाली मानते हैं।

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के सेट पर घायल हुईं तेजस्वी प्रकाश

तेजस्वी प्रकाश टेलीविजन स्क्रीन पर वापस आने के लिए तैयार हैं और प्रशंसक इसे जानकर काफी ज्यादा उत्साहित हैं। अभिनेत्री जल्द ही आगामी रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में अपनी कुकिंग स्किल का प्रदर्शन करती नजर आएंगी। कुकिंग रियलिटी शो की शूटिंग शुरू हो गई है। दुर्भाग्यवश, सेलिब्रिटी मास्टरशेफ की शूटिंग के दौरान तेजस्वी घायल हो गईं।

सेट पर स्पॉट हुईं तेजस्वी

तेजस्वी प्रकाश को हाल ही में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के सेट पर पैपराजी ने स्पॉट किया। नीले टॉप और ग्रे जॉगर्स में तेजस्वी तस्वीरों के लिए पोज देती हुई खूबसूरत लग रही थीं। हालांकि, पैपराजी ने तेजस्वी के घायल हाथ को देखा और अपनी चिंता व्यक्त की। उनसे बात करते हुए अभिनेत्री ने शो में खाना बनाते वक्त घायल होने का खुलासा किया।

शो के सेट पर जलीं अभिनेत्री

तेजस्वी प्रकाश ने पैपराजी को अपनी चोट के बारे में सूचित करते हुए कहा, जल गया। जब उनसे पूछा गया कि उनका हाथ कैसे जल गया, तो तेजस्वी ने कहा, जल गया, ओवन में। इसमें देखा गया कि अभिनेत्री ने अपने घायल हाथ पर क्रीम लगाई हुई थी। नागिन 6 के बाद तेजस्वी प्रकाश सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में नजर आएंगी। प्रशंसक उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

लापता लेडीज में नितांशी गोयल के अभिनय की मुरीद हुईं कृति सेनन

लापता लेडीज में फूल बनकर दर्शकों के दिलों में पहचान बनाने वाली नितांशी गोयल ने कम उम्र में ही वह कामयाबी हासिल कर ली है, जिसका सपना हर कलाकार देखता है। कमसिन उम्र और करियर की शुरुआत में ही नितांशी के कदमों को सफलता ने चूमा है। अब हाल ही में अभिनेत्री ने बताया है कि लापता लेडीज के लिए उन्हें बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन से काफी तारीफें मिली थी। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

कृति ने की नितांशी की तारीफ

नितांशी की लापता लेडीज भले ही ऑस्कर की रेस से बाहर हो गई है, लेकिन आज भी उनके अभिनय की हर तारीफ कर रहा है। अब हाल ही में, फ्री प्रेस से साथ एक साक्षात्कार में नितांशी ने बताया कि एक अवॉर्ड फंक्शन में अभिनेत्री कृति सेनन ने नितांशी की खुलकर तारीफ की थी, जिसे सुन वह काफी मोटिवेटेड फील कर रही थीं।

कृति को देखना नितांशी के लिए था फैन मोमेंट

नितांशी ने कहा, मैं हाल ही में एक अवॉर्ड फंक्शन में कृति सेनन से मिली थी। मुझे याद है कि मैं एक फैन गर्ल की तरह उन्हें देखती रही और अपने दिमाग में सोच रही थी कि उन्हें कैसे हाय कहूं, उनसे कैसे मिलूं। और इसी बीच, वह खुद मुझसे मिलने आईं और उन्होंने जो कहा, उसने मेरा दिल जीत लिया।

कृति सेनन ने दिया यह कॉम्पलिमेंट

नितांशी ने आगे बताया कि उन्होंने मुझसे कहा, नितांशी, मैं तुममें छोटी कृति देखती हूं। मैं तुममें खुद का छोटा रूप देखती हूं। और मैं तुम्हें वाकई अच्छी फिल्मों में काम करते देखना चाहती हूं। मैं तुम्हें स्क्रीन पर कमाल करते देखना चाहती हूं। जब उन्होंने यह कहा तो मैं बहुत खुश हुई। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल था।

ऑस्कर रेस से बाहर हुई फिल्म

बता दें कि इस साल सितंबर में फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) ने इसे भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना था। लेकिन लापता लेडीज उन 15 फिल्मों की शॉर्टलिस्ट में जगह बनाने में विफल रही, जो अंतिम पांच में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

विक्रांत मैसी को अर्जुन कपूर ने बताया खुद से बेहतर अभिनेता, तारीफ में कह दी यह बड़ी बात

अर्जुन कपूर ने हाल ही में अपनी साल 2017 की फिल्म हाफ गर्लफ्रेंड पर खुलकर बात की। फिल्म में अपनी परफॉर्मेंस को लेकर उन्होंने कई राज खोले। एक इंटरव्यू में अर्जुन ने कहा कि वह अपनी परफॉर्मेंस से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे। इसके पीछे की वजह उन्होंने डबिंग प्रक्रिया को बताया। अभिनेता के मुताबिक डबिंग की वजह से उनकी असल डायलॉग डिलीवरी की प्रामाणिकता खो गई।

अर्जुन ने कहा, मुझे हाफ गर्लफ्रेंड के लिए डबिंग नहीं करनी चाहिए थी। मुझे लगता है कि सेट पर मैंने अच्छा काम किया था, लेकिन अफसोस कि मुझे डबिंग करनी पड़ी। मुझे डबिंग से खास लगाव नहीं है, क्योंकि यह उस पल की ईमानदारी को कम कर देती है।

इस जनरेशन में हम ज्यादा डबिंग नहीं करते। यह मेरा सबसे खराब प्रदर्शन नहीं था, लेकिन अगर मैं एक आलोचक की तरह देखूं तो मैं सोचता हूं कि काश मैं उस डायलैक्ट को सही तरीके से बरकरार रख पाता।

अर्जुन ने की विक्रांत की जमकर तारीफ

अपने सह-कलाकार विक्रांत मैसी की तारीफ करते हुए अर्जुन ने कहा, विक्रांत डबिंग में मुझसे बेहतर हैं। वह फिल्म में भी मुझसे बेहतर अभिनेता थे। मुझे ज्यादा लोकप्रिय तरीके से अभिनय करना था, लेकिन डबिंग में मैं उस डायलैक्ट को सही तरीके से नहीं कर पाया, जो मैंने सेट पर किया था। यह एक छोटा सा सीखने का अनुभव था मेरे लिए।

2017 में रिलीज हुई थी हाफ गर्लफ्रेंड

फिल्म हाफ गर्लफ्रेंड 2017 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था। यह फिल्म चेतन भगत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित थी। फिल्म में अर्जुन कपूर ने माधव झा का किरदार निभाया था। श्रद्धा कपूर, रिया सोमानी के किरदार में दिखी थीं।

सिंघम अगेन में नजर आए थे रोहित शेट्टी

अर्जुन कपूर को हाल ही में रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में विलेन की भूमिका में देखा गया था। हालांकि, यह फिल्म भी उनके करियर को नई दिशा नहीं दे सकी। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई।

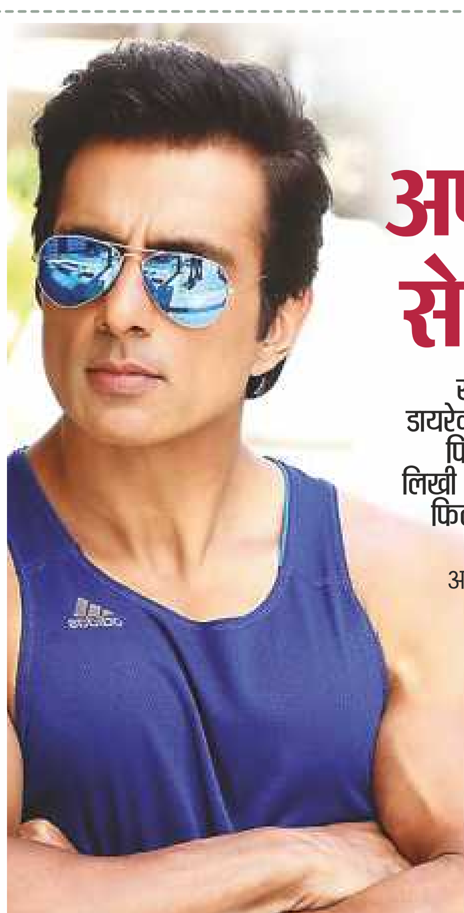

फतेह के लिए साउथ अफ्रीका और मैक्सिको से आई थी एक्शन टीम

सोनू सूद फिल्म फतेह के जरिए डायरेक्शन में डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। लीड रोल में भी वह दिखेंगे। फिल्म नए साल में 10 जनवरी को रिलीज होगी।

आप पहली बार डायरेक्टर के रोल में नजर आ रहे हैं, क्या फीलिंग्स हैं?

दो-ढाई साल में खूब मेहनत हुई है। लिखने से लेकर फिल्म के हर बिंदु पर काफी बारीकी से काम किया गया है। मैंने सोच लिया था कि ऐसी एक्शन फिल्म बनाऊंगा जो कभी नहीं बनी हो। हिंदुस्तान भी गर्व से कहे कि ऐसी एक्शन फिल्म पहले कभी नहीं बनी। अब तक मैं जैसी फिल्म का हिस्सा बनना चाहता था, वैसी फिल्में ही नहीं बन पा रही थीं। इसी वजह से खुद डायरेक्शन की जिम्मेदारी संभाली। फतेह का एक्शन सीक्वेंस इंडस्ट्री में एक नया बेंचमार्क साबित करेगा। फिल्म का एक्शन डिजाइन करने के लिए बाहर से लोग बुलाए गए थे।

आप डायलॉग्स पर भी इनपुट देते हैं। इसका क्रेडिट क्यों नहीं लेते ?

डायलॉग्स के जरिए ही हम सही तौर पर ऑडियंस से कनेक्ट कर पाते हैं। डायलॉग्स ऐसे होने चाहिए, जो गली-चौराहे के बच्चे भी समझ जाएं और उससे रिलेट कर पाएं।

आपने म्यूजिक पर भी काफी ध्यान दिया है, इसकी समझ कहां से लाते हैं?

म्यूजिक ऐसा होना चाहिए जो फिल्म के सीक्वेंस के साथ मैच हो जाए।

इंटरनेशनल फिल्मों से फतेह के एक्शन की तुलना हो रही है। क्या कहेंगे?

मैंने इतने सालों में कई एक्शन फिल्में की हैं लेकिन हमेशा लगता था कि कुछ मिसिंग है। कई बार सोचता था कि हम आखिर इंटरनेशनल लेवल का एक्शन क्यों नहीं दिखा पाते हैं। शायद प्रोडक्शन कॉस्ट और विजन ही सबसे बड़ा मसला है। मैंने फतेह के लिए एक्शन सीन्स को प्रॉपर डिजाइन किया। पेपर पर हर एक्शन सीन्स की डिटेलिंग भी की थी। फिल्म में साढ़े तीन मिनट का नॉनस्टॉप एक्शन देखने को मिलेगा। उसमें एक भी कट नहीं दिखेगा। एक्शन सीन्स को शूट करने के लिए साउथ अफ्रीका और मैक्सिको से टीम आई थी। जुरासिक पार्क, फास्ट एंड फ्यूरियस और कैप्टन मार्वल जैसी फिल्मों में इस टीम ने एक्शन दिया है। हम चाहते हैं कि सभी भाषाओं के लोग इस फिल्म को देखें। कला की कोई भाषा नहीं होती।

क्या फतेह को हम हिंदी के अलावा दूसरी भाषाओं में भी देख सकेंगे?

हम चाहते हैं कि सभी भाषाओं के लोग इस फिल्म को देखें। कला की कोई भाषा नहीं होती। हमारी कोशिश रहेगी कि इसे हिंदी के अलावा अन्य लैंग्वेज में भी रिलीज करें।

आदित्य से ब्रेकअप के बाद संभलीं अनन्या, अब लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप को बताया सही

अनन्या पांडे अपनी फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री अनन्या पांडे के बारे में अफवाह है कि वह आदित्य रॉय कपूर के बाद वॉकर ब्लैंको के साथ रिलेशनशिप में हैं। हाल ही में, एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने बताया कि वह लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप को कैसे हैंडल करती हैं। हाल ही में फिल्मफेयर के साथ एक इंटरव्यू में अनन्या पांडे ने साझा किया कि उनका मानना है कि कभी-कभी रिश्ते में दूरी बनाए रखना स्वस्थ होता है। उन्होंने कहा कि 4-5 दिनों तक न मिलना मैनेज किया जा सकता है और दो महीने का गैप भी ठीक है, क्योंकि दूरी अक्सर दिलों को और भी करीब ला देती है। अभिनेत्री का मनना है कि अच्छा रिश्ता वही है, जिसमें इंसान अपनी पहचान नहीं खोता है।

गौतम अडानी ने साल जाते-जाते बना दिया कमाई का रिकॉर्ड, रईसी में मुकेश अंबानी के करीब पहुंचे

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत समेत दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट रही। इस कारण दुनिया के टॉप अमीरों में से 17 की नेटवर्थ में गिरावट देखने को मिली। केवल गौतम अडानी, अमेरिका के लैरी एलिसन और एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग की नेट वर्थ में तेजी रही। शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में सोमवार को तेजी रही। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.48 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 80.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एक स्थान ऊपर चढ़कर 18वें नंबर पर पहुंच गए। अडानी सोमवार को दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स रहे। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ में 4.23 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

अडानी टोटल गैस में सोमवार को 11.20 फीसदी तेजी रही जबकि ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 7.65 प्रतिशत तेजी के साथ बंद हुआ। अडानी पावर में 6.46 प्रतिशत, अडानी ग्रीन एनर्जी में 2.31 परसेंट और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 2.46 परसेंट की तेजी रही। इसके साथ ही अडानी भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के करीब पहुंच गए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी की नेटवर्थ में 64.7 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। वह 90.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.73 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में- दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेट वर्थ में सोमवार को 9.83 अरब डॉलर की गिरावट आई और अब यह 442 अरब डॉलर रह गई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 241 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग 209 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन (193 अरब डॉलर) चौथे, बर्नार्ड आरनॉल्ट (176 अरब डॉलर) पांचवें, लैरी पेज (170 अरब डॉलर) छठे, सर्गेई ब्रिन (160 अरब डॉलर) सातवें, बिल गेट्स (160 अरब डॉलर) आठवें, स्टीव बालमर (148 अरब डॉलर) नौवें और वॉरेन बफे (142 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।

अडानी विल्मर से 25 साल बाद अलग होगा अडानी ग्रुप

बाजार खुलते ही कंपनी के शेयरों में 7 प्रतिशत से अधिक गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी कंपनी अडानी विल्मर का शेयर आज बाजार खुलते ही 7 प्रतिशत से अधिक गिर गया। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने 2 अरब डॉलर की डील के जरिए विल्मर इंटरनेशनल के साथ अपने 25 साल पुराने जॉइंट वेंचर से बाहर निकलने की घोषणा की है। इससे आज कंपनी का शेयर बाजार खुलते ही धड़ाम हो गया। बीएसई पर यह 7.5 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 303.70 रुपये पर आ गया। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 408.70 रुपये और न्यूनतम स्तर 279.20 रुपये है। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में भी करीब दो फीसदी गिरावट आई है। अडानी ग्रुप इस डील से मिलने वाली रकम से एनर्जी, यूटिलिटीज, ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स सहित अपने कोर इन्फ्रास्ट्रक्चर बिजनस को मजबूत करना चाहता है। सिंगापुर की कंपनी विल्मर इस वेंचर में अडानी की जगह लेने के लिए रणनीतिक निवेशकों की तलाश कर रहा है। अडानी ग्रुप इस कंपनी में में अपनी लगभग 44 प्रतिशत हिस्सेदारी दो हिस्सों में बेचने की योजना बना रहा है। वह पहले पब्लिक शेयरहोल्डिंग के नियमों को पूरा करने के लिए लगभग 13 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगा। प्रमोटरों के पास अभी कंपनी में 88 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विल्मर ग्रुप बाकी 31 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा। इससे कंपनी में उसकी हिस्सेदारी 44 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 75 प्रतिशत हो जाएगी।

शेयरों का भाव- एक्सचेंज नोटिफिकेशन के अनुसार अडानी ग्रुप अपनी 31 प्रतिशत हिस्सेदारी विल्मर को 305 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर बेचेगी। सूत्रों के मुताबिक अडानी एंटरप्राइजेज लगभग उसी कीमत पर बाजार में 13 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। पिछले सत्र में अडानी विल्मर का शेयर 0.17 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 329.50 रुपये पर बंद हुआ था जबकि अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 7.65 प्रतिशत तेजी आई थी। सुबह 10 बजे अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 2.11 प्रतिशत के साथ 2538.60 रुपये पर ट्रेड कर रहा था जबकि अडानी विल्मर 7.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 304.70 रुपये पर था।

एक्सिस बैंक के एक स्टाफ ने क्रेड को 12.5 करोड़ का चूना लगा दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड के पेमेंट का प्लेटफॉर्म क्रेड का आपने नाम सुना है? इसे साल 2018 में कुणाल शाह ने बेंगलुरु में ड्रीम प्लगपे टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से शुरू किया था। इस समय कंपनी के करीब 60 लाख यूजर्स बताए जाते हैं। देश में जितने क्रेडिट कार्ड हैं, उनमें से करीब 20 फीसदी कार्ड का बिल पेमेंट इसी प्लेटफॉर्म के जरिए होता है। इसी क्रेड के साथ पिछले दिनों ठगी हो गई। साइबर अपराधियों के एक समूह ने पिछल दिन इसके खाते से 12.5 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह बात बीते नवंबर की है। क्रेड के अधिकारी रूटीन बैंक अकाउंट का मिलान कर रहे थे। तभी उन्हें 12.5 करोड़ रुपये का हिसाब मिलता नहीं दिखा। इसके बाद मामले की जांच की गई। तब पता चला कि 29 अक्टूबर 2024 से 11 नवंबर 2024 के बीच 17 अनऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन किए गए थे। इन ट्रांजेक्शन से 12.5 करोड़ रुपये की रकम संदिग्ध खातों में भेजे गए थे। इसके बाद इस घटना की जानकारी एक्सिस बैंक और पुलिस को दी गई।

पुलिस ने क्या पाया- इस मामले की शिकायत बेंगलुरु के ईस्ट सीईएन क्राइम पुलिस स्टेशन में की गई थी। पुलिस जांच में पता चला कि इस मामले में एक्सिस बैंक की अंकलेश्वर शाखा की लिप्तता है। धोखाधड़ी की इस घटना का मास्टरमाइंड गुजरात में एक्सिस बैंक का रिलेशनशिप मैनेजर 33 वर्षीय वैभव पिटादिया निकला। उस पर क्रेड के कॉर्पोरेट खाते की कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए अपने अंदरूनी ज्ञान का उपयोग करने का आरोप है। बेंगलुरु में एक्सिस बैंक की इंदिरानगर शाखा द्वारा प्रबंधित क्रेड के खाते में हर रोज 2 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन होता है।

कैसे दिया धोखाधड़ी को अंजाम- पुलिस अधिकारियों ने खुलासा किया कि आरोपियों ने ड्रीम प्लगपे टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के तहत क्रेड के नोडल खाते से जुड़े दो निष्क्रिय कॉर्पोरेट खातों की पहचान की। इसे सक्रिय कराने के लिए बोर्ड के प्रस्तावों सहित जाली दस्तावेजों का उपयोग करते हुए, नेहा बेन को एमडी के रूप में पेश किया। एक्सिस बैंक से इन खातों में बदलाव का अनुरोध किया गया। उसने गुजरात में एक्सिस बैंक की अंकलेश्वर शाखा में फर्जी कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग फॉर्म और सहायक दस्तावेज जमा किए, जिससे अद्यतन संपर्क विवरण के साथ एक नया यूजर अकाउंट बनाने में मदद मिली।

वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ की पांचवीं बजटपूर्व बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को नई दिल्ली में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ पांचवीं बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारियों के हिस्से के रूप में आयोजित की गई। इस बैठक में वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए। इन सुझावों से सुनिश्चित किया जाएगा कि आगामी बजट प्रमुख आर्थिक प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय चुनौतियों को संबोधित करे। वित्त मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के संबंध में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ पांचवें बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। मंत्रालय के अनुसार, वित्त सचिव, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग और उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिवों सहित वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद थे। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने बैठक के दौर अर्थव्यवस्था पर अपने विचार रखे।बजट पूर्व परामर्श बैठक बजट को आकार देने से जुड़ा आवश्यक कदम है।

2024 के टॉप-4 स्टॉक्स, निवेशक हो गए मालामाल, 2025 में भी करेंगे कमाल?

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आपके पास 2024 में ये 5 शेयर होते तो आप भी मालामाल हो गए होते। इन शेयरों ने साल 2024 में बंपर रिटर्न दे दिया है। इनमें सबसे पहला नाम है त्नश्व ञ्च×ष्ठ इंडिया का। इस शेयर ने पिछले एक साल में 307 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। एक साल में इसने अपने हर निवेशक को प्रति शेयर 1538 रुपये का मुनाफा कमवाया है। दूसरा नाम केएफआइएन टेक्नॉलजीज का है, जिसने एक साल में 215 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न

दिया है। इसी क्रम में मोतीलाल ओसवाल ने 203, ओरेकल ने 199 और अनंत राज ने 191 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। आइए इन शेयरों की डिटेल एनॉलिसिस पर नजर डालें..

जीई टी एंड डी इंडिया- यह स्टॉक आज दोपहर एक बजे के करीब 2 पर्सेंट से अधिक नुकसान के साथ 2051.50 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। करीब 52731 करोड के मार्केट कैप वाले इस स्टॉक का पीई रेशियो 132.42 है। इसने पिछले एक साल में 307 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। तीन साल में इसने 1435 और 5 साल में 1293 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है।

इस स्टॉक को लेकर एक्सपर्ट्स भी बुलिश हैं। कुल 5 एनालिस्ट्स में से 2 ने स्ट्रांग बाय और 3 ने बाय रेटिंग दी है। किसी ने भी होल्ड या बेचने की सिफारिश नहीं की है।

केएफआइएन टेक्नॉलजीज- केफिन के शेयरों में भी आज गिरावट है। आज करीब 3 फीसद टूटकर यह 1534 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहा था। इसका पीई रेशियो 87.47 है। 26174 करोड़ रुपये है। पिछले 3 साल में इसने 218 पर्सेंट से अधिक रिटर्न दिया है।

क्या करें

इस स्टॉक को लेकर कुल 12 में से दो विश्लेषकों ने स्ट्रांग सेल की सिफारिश की है। 3 एनालिस्ट ने स्ट्रांग बाय और 5 ने रेटिंग दी है। दो अन्य ने होल्ड की सिफारिश की है।

मोतीलाल ओसवाल

साल में अच्छा रिटर्न देने वाले शेयरों में से एक मोतीलाल ओसवाल आज 1.39 पर्सेंट नीचे 952.15 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 16.66 पीई रेशियो वाले इस स्टॉक ने पिछले एक साल में 200 से अधिक और 3 साल में 300 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है और पिछले 5 साल में करीब 400 पर्सेंट का बंपर रिटर्न देकर अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है।

क्या करें

कुल चार एनॉलिस्ट में से दो ने स्ट्रांग बाय की सलाह दी है। एक विश्लेषक ने होल्ड और एक ने बाय की सिफारिश की है।

ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर

ओरेकल भी आज करीब दो फीसद नीचे है। आज 12695 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसने भी पिछले इस साल दो सौ फीसद से अधिक रिटर्न दिया है। पिछले 3 साल में इसने 220 और पांच साल में 362 पर्सेंट चढ़ा है। 109710 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाले इस स्टॉक का 52 हफ्ते का हाई 13220 और लो 4280 रुपये है।

देश में व्हाइट, ब्लू और ब्लैक कारों की मांग ज्यादा

इसमें ब्लैक और ब्लू कारों की संख्या लगातार बढ़ रही है

एक सर्वे में बताया है कि किस कलर की कार ज्यादा बिकी हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। लोग कार खरीदते समय कार कंपनी और मॉडल के अलावा रंग को भी महत्व देते हैं। एक सर्वे के मुताबिक कुछ खास कलर की कार सबसे ज्यादा बिक रही हैं। कुछ वर्षों का डेटा बताता है कि ब्लैक और ब्लू कलर की कारों की बिक्री ज्यादा हुई है। वहीं व्हाइट कलर की कारों की बिक्री ने निर किया है।

बिजनेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित जेएटीओ डायनेमिक्स के डेटा के मुताबिक साल 2021 से साल 2024 के बीच ब्लैक कलर की कारों की बिक्री सबसे ज्यादा हुई है। इस दौरान यह बिक्री 14.8 फीसदी से बढ़कर 20.2 फीसदी हो गई। वहीं दूसरे नंबर पर ब्लू कलर की कार रही। साल 2021 से साल 2024 के बीच इस कलर की कारों की बिक्री 8.8 फीसदी से बढ़कर 10.9 फीसदी हो गई।

व्हाइट कलर की कारों की स्थिति?- साल 2021 से 2024 के बीच सबसे ज्यादा सफेद यानी व्हाइट कलर की कारें बिकी हैं, लेकिन इस दौरान इनकी बिक्री में कमी आई है। साल 2024 में 39.3 फीसदी सफेद कारें बिकी। हालांकि साल 2021 में सफेद रंग की कारों की बिक्री 43.9 फीसदी थी। ऐसे में देखा जाए तो सफेद कलर की कारों की बिक्री में गिरावट आई है। केमिकल कंपनी बीएएसएफ के मुताबिक सफेद रंग की कारों की हिस्सेदारी साल 2023 में साल 2022 की तुलना में 36 फीसदी कम हो गई है।

ब्लैक कलर की मांग बढ़ी- हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के सीओओ तरुण गर्ग के मुताबिक ब्लैक कलर की कारों की मांग काफी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि ब्लैक कलर की कारों की घरेलू बिक्री में साल 2021 से 9 फीसदी थी। वहीं साल 2024 के बढ़कर यह 19 फीसदी हो गई। हालांकि व्हाइट कलर अभी भी नंबर वन है। कुल कारों में व्हाइट कलर की 54 फीसदी कारें बिकी हैं।

टाटा मोटर्स में ग्लोबल डिजाइन स्ट्रेटेजी हेड अजय जैन बताते हैं कि सफेद रंग की कारों की बिक्री में पिछले कुछ समय में कमी आई है। हालांकि इसके बावजूद इस रंग की कार अभी भी टॉप पॉजिशन पर हैं।

क्यों बढ़ रही दूसरे रंग की मांग?- सफेद को छोड़ दूसरे रंग की कारों में बिक्री कई कारणों से बढ़ रही है। इसका सबसे बड़ा कारण यंग जनरेशन है। ब्लू और ब्लैक कलर की कारों को प्रीमियम और लाइफस्टाइल सेगमेंट में माना जाता है। वहीं ब्लैक कलर की कार को फैशन के रूप में भी देखा जा रहा है।

आरबीआई की रिपोर्ट: बैंकों का सकल एनपीए घटकर 12 साल के निचले स्तर पर पहुंचा, क्रेडिट कार्ड बकाया 55 प्रतिशत तक बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्ज चूक में कमी से बैंकों का सकल एनपीए (बुरा फंसा कर्ज) अनुपात इस वर्ष सितंबर में एक साल पहले की तुलना में घटकर 12 साल के निचले स्तर 2.6 फीसदी पर आ गया है। इसके बावजूद, कृषि क्षेत्र में बुरा फंसा कर्ज सबसे ज्यादा 6.2 फीसदी पर बना हुआ है। पर्सनल लोन श्रेणी में क्रेडिट कार्ड बकाया में 55.3 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है।

आरबीआई की रिपोर्ट- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सोमवार को जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक, कृषि के बाद सितंबर में उद्योग में सकल एनपीए 2.9 फीसदी, सेवा में 2.5 व पर्सनल लोन क्षेत्र में 1.2 फीसदी रहा। हालांकि, एक साल पहले की तुलना में इन सभी क्षेत्रों के सकल एनपीए में गिरावट आई है। रिपोर्ट बताती है कि सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) में क्रेडिट कार्ड बकाया सितंबर में 21.9 फीसदी रहा। सरकारी बैंकों में यह सबसे ज्यादा 55.3 फीसदी, निजी बैंकों में 21.3 फीसदी और विदेशी बैंकों में 23.1 फीसदी रहा। आवासीय कर्ज में 14.8, ऑटो लोन में 15.9 और शिक्षा कर्ज में 42.6 फीसदी तक वृद्धि रही।

साल 2025 में सोना - चांदी अच्छा रिटर्न दे सकती है

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2024 सोना और चांदी दोनों के लिए काफी अच्छा रहा। दोनों ने निवेशकों को कम से कम 18 फीसदी रिटर्न दिया हालांकि कुल रिटर्न के मामले में सोने ने चांदी को पीछे छोड़ दिया। ऐसे में निवेशकों के मन में यह बात होगी कि क्या साल 2025 में भी सोना और चांदी ऐसा ही रिटर्न देंगे? अगर आप साल 2025 में सोने और चांदी में निवेश की प्लानिंग कर रहे हैं तो जान लें कि किसमें तेजी आने के संकेत हैं।

सोने ने कितना दिया रिटर्न?- साल 2024 में सोने की कीमत में काफी उतार चढ़ाव देखने को मिला। इस साल जुलाई में बजट में सोने से कस्टम ड्यूटी कम कर दी गई। इससे सोने की कीमत एक ही दिन में धड़ाम हो गई थी। हालांकि कुछ समय बाद कीमत रिकवर हो गई, लेकिन दिवाली के बाद भी इसमें काफी कमी आई।

साल 2024 में एक जनवरी को एमसीएक्स पर 24 कैरेट सोने की कीमत 63288 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। वहीं कल यानी 30 दिसंबर को यह 76260 रुपये पर बंद हुई। ऐसे में सोने से इस साल निवेशकों को 20 फीसदी से कुछ ज्यादा रिटर्न दिया।

बात अगर साल 2023 की करें तो उस साल सोने में करीब 16 फीसदी की तेजी आई थी। ऐसे में देखा जाए तो साल 2024 में सोने ने साल 2023 के मुकाबले अच्छा रिटर्न दिया है।

कितनी आई चांदी में तेजी?- साल 2024 में रिटर्न के मामले में चांदी ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया है। जुलाई में बजट से पहले इसने रिटर्न के मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया था। एक जनवरी 2024 को एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 74319 रुपये प्रति किलो थी। वहीं 30 दिसंबर को यह बढ़कर 87531 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई। ऐसे में इसने एक साल में निवेशकों को 18 फीसदी रिटर्न दिया।

साल 2023 में भी चांदी का रिटर्न ठीक-ठाक था। उस साल चांदी ने निवेशकों को 12 फीसदी रिटर्न दिया था। यानी चांदी ने निवेशकों को साल 2024 में साल 2023 के मुकाबले ज्यादा रिटर्न दिया।

साल 2025 में किसमें मिलेगा अच्छा रिटर्न?

जानकारों के मुताबिक साल 2025 भी निवेश के मामले में सोना और चांदी के लिए अच्छा गुजर सकता है। माना जा रहा है कि साल 2025 में सोने की कीमत 85 हजार रुपये पार कर सकती है। वहीं अगर दुनिया के कुछ देशों में तनाव रहता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता रहती है तो इसकी कीमत 90 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती है।

वहीं चांदी की बात करें तो इंडस्ट्री में इसका इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। जिस तरह से सोलर एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल को बढ़ावा दिया जा रहा है, इससे चांदी की मांग और बढ़ेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि इस इंडस्ट्री में चांदी का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में जानकारों का मानना है कि साल 2025 में चांदी की कीमत एक लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

क्या है आज सोने और चांदी का भाव?

मंगलवार को जहां सोने की कीमत में तेजी आई तो सिल्वर में गिरावट देखी गई। एमसीएक्स पर मंगलवार सुबह 11¬30 बजे सोने की कीमत 35 रुपये की तेजी के साथ 76295 रुपये प्रति ग्राम थी। वहीं चांदी 265 रुपये की गिरावट के साथ 87266 रुपये पर थी।

सस्ता स्मार्टफोन सबसे ज्यादा खरीद रहे भारतीय, कुल बिक्री में 5जी का हिस्सा बढ़कर 81 फीसदी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्मार्टफोन बाजार का बिक्री के लिहाज से 2024 की जुलाई-सितंबर अवधि (तीसरी तिमाही) में रिकॉर्ड प्रदर्शन रहा है। इस दौरान सालाना आधार पर संख्या के लिहाज से तीन फीसदी और मूल्य के आधार पर 1 फीसदी अधिक स्मार्टफोन बिके। काउंटरपॉइंट रिसर्च की स्मार्टफोन ट्रैकर रिपोर्ट के मुताबिक, कुल बिक्री में 5जी मोबाइल फोन की हिस्सेदारी 81 फीसदी रही। इनमें भी 93 फीसदी 5जी स्मार्टफोन की कीमत 10,001-15,000 रुपये थी। यह बताता है कि बजट अनुकूल 5जी स्मार्टफोन भारतीयों की पसंद बना हुआ है।

चीनी ब्रांड पर मेक इन इंडिया का असर नहीं- भारत में चीनी, घरेलू और अन्य वैश्विक स्मार्टफोन ब्रांड की बाजार हिस्सेदारी पांच वर्षों में एक जैसी रही है। मेक इन इंडिया के तहत स्थानीय स्तर पर स्मार्टफोन बनाने के सरकार के प्रयासों के बावजूद भारतीय बाजार में चीनी कंपनियों का दबदबा बना है।

स्मार्टफोन चिपसेट में मीडियाटेक सबसे आगे- रिपोर्ट के मुताबिक, ताइवानी कंपनी मीडियाटेक 54 फीसदी हिस्सेदारी के साथ भारतीय स्मार्टफोन चिपसेट बाजार में दबदबा कायम रखा है। प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में 35 फीसदी हिस्सेदारी के साथ एपल सबसे आगे और क्वालकॉम 28 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर है। यह इन कंपनियों द्वारा किफायतीपन और तकनीकी प्रगति के कारण विकास को दर्शाता है।

चिपसेट उद्योग में भारत के पास बेहतरीन मौका- अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण चीन चुनौतियों का सामना कर रहा है। अमेरिका सुरक्षा चिंताओं और डाटा गोपनीयता के कारण चीनी चिपसेट निर्माताओं को काली सूची में डालने की तैयारी कर रहा है।

औद्योगिक विकास में नया कदम : लॉजिस्टिक्स हब और नए औद्योगिक नोड्स के लिए रणनीतिक स्थानों की पहचान

जयपुर। राजस्थान सरकार के उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा और रीको के एमडी इंद्रजीत सिंह की अगुवाई में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है, जिसमें जयपुर के आसपास लॉजिस्टिक्स हब, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और नए औद्योगिक नोड्स के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान की जा रही है। हाल ही में, टीम ने मांडा, फुलेरा और बिचून औद्योगिक क्षेत्रों में विभिन्न भूमि भूखंडों का आकलन किया, जिससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, अधिकारियों ने भूमि एकत्रीकरण नीति के तहत मांडा औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार और बिचून के विकास के प्रस्ताव पर भी विचार किया। पिछले सप्ताह, रीको के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे के साथ दौसा-बांदीकुई क्षेत्र का दौरा किया, ताकि राज्य में नए निवेश क्षेत्रों के लिए उपयुक्त भूमि भूखंडों की पहचान की जा सके। यह पहल 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान किए गए वादों को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी, जो राज्य की औद्योगिक वृद्धि और सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विश्व जागृति मिशन जयपुर मंडल ने किए जरूरतमंदों को कंबल वितरित

जयपुर। विश्व जागृति मिशन के जयपुर मंडल की ओर से कड़ाके की सर्दी में जरूरतमंद लोगों को राहत प्रदान करने के लिए आदर्श नगर में बीस दुकान स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रधान मदनलाल अग्रवाल ने बताया कि विश्व जागृति मिशन के संस्थापक आचार्य सुधांशु महाराज की प्रेरणा और मार्गदर्शन में जयपुर मंडल द्वारा गुलाबी नगर में परिवार जोड़ो कार्यक्रम और बाल संस्कार केन्द्र जैसे प्रकल्पों के माध्यम से कच्ची बस्तियों के लोगों को धर्म और अध्यात्म से जोड़ने के लिए सतत कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसी कड़ी में सर्दी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मंडल से जुड़े श्रद्धालुओं के आर्थिक अंशदान से कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।सभी पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने इसे सफल बनाने में पिछले कई दिनों से विशेष मेहनत की। कम्बल वितरण कार्यक्रम से पहले मंडल कार्यालय में आचार्य मोहन लाल शास्त्री एवं पंडित विष्णु कुमार शर्मा के सानिध्य में आयोजित हवन में प्रधान मदनलाल अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण दास गंगवानी, सचिव द्वारका प्रसाद मुटरेजा, महामंत्री दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष गोपाल बजाज, डॉ. मधु शर्मा, इंदु भार्गव, पुष्पा भाटिया और मंजू बजाज सहित पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने आहुति देकर सबकी खुशहाली की कामना की।

भीलवाडा नगरनिगम आयुक्त हेमाराम चोधरी के नेतृत्व मे कर्मचारियो ने विरोध किया राज्य सरकार के निर्णय का

भीलवाड़ा। नगर निगम के आयुक्त हेमाराम चोधरी के नेतृत्व मे अधिकारियो एवं कर्मचारियो ने राज्य सरकार द्वारा विगत दिनो लिये गये निर्णय का विरोध करते हुए काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। नगर निगम आयुक्त हेमाराम चोधरी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा विगत दिनो निर्णय लिया गया कि मुख्य नगर पालिकाओ में अधिकारियो सहित अन्य कार्मिकों को भी प्रतिनियुक्ति/संविदा से भर्ती किए जाने के निर्देश दिए हैं,जब कि प्रतिनियुक्ति/संविदा से आने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को ना तो प्रशासनिक अनुभव होता है एवं ना हीं नगर निकायों से संबंधित नियम की जानकारी होती है। इस स्थिति में गैर अनुभवी एवं अप्रशिक्षि अधिकारियों/कर्मचारियों को नगर निकायों में लगाने से अनियमितता एवं भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा जिससे राज्य सरकार की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के साथ-साथ नगर निकायो की स्थिति भी दयनीय हो जाएगी। नगरी निकायों में विभिन्न सेवा संवर्ग के अधिकारियों/कर्मचारियों के रिक्त पदों को प्रतिनियुक्ति/संविदा से भरने के निर्णय के विरोध में निगम के अधिकारियों/कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विभागीय कार्य का संपादन किया।

लायंस क्लब नेत्र अस्पताल में 1 जनवरी से निशुल्क सेवाएं

करीमनगर (एजेंसी),

लायंस क्लब नेत्र अस्पताल के अध्यक्ष कोंडा वेणु मूर्ति ने कहा कि रेकुर्ती में स्थित लायंस क्लब ऑफ करीमनगर डॉ. भास्कर माडेकर चैरिटेबल आई हॉस्पिटल में 1 जनवरी से मोतियाबिंद ऑपरेशन और आंखों से संबंधित विभिन्न बीमारियों के लिए निशुल्क सेवाएं प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार के बीमा वाले मरीज ऑपरेशन से एक दिन पहले या उसी दिन सुबह 9 बजे अस्पताल के कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं। यह कैशलेस बीमा रेटिना और ग्लूकोमा सेवाओं को कवर करता है। उन्होंने लोगों को इस अवसर का उपयोग करने का आग्रह किया।

अवसर पर में चिदुरा सुरेश, प्रकाश होल्ला, बोम्मा पवन कुमार, इंजीनियर कोला अन्ना रेड्डी, डॉ. टी. मुरलीधर राव ने भाग लिया।

हैदराबाद (एजेंसी),गुडी मलका पुर स्थित करवा काम्प्लेक्स में श्री रामदेव बाबा का जम्माअनिता - गोविन्द करवा परिवार के द्वारा भव्य & विशाल जागरण का आयोजन किया गया ।भजन सम्राट - अनुराधा भुतडा द्वारा प्रस्तुत किया गया ।अवसर पर अनीता - गोविन्द करवा,पुजीता - रामदेव करवा,मनोहर तापड़िया (उद्योगपति),सावित्री - लक्ष्मीनिवास लोया,भारती - राजेश करवा अतापुर,पूजा बलदवा एवं अन्य उपस्थित थे।

झोटवाड़ा व्यापार मंडल की सांकेतिक भूख हड़ताल

जयपुर। झोटवाड़ा व्यापार मंडल में सोमवार को बोरिंग चौराहे से कांटा चौराहे तक जेडीए तथा नगर निगम द्वारा दुकान तोड़ने के विरोध सांकेतिक भूख हड़ताल तथा सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया। इस सांकेतिक भूख हड़ताल में तथा सद्बुद्धि यज्ञ में जयपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ. ललित सिंह सांचौरा, झोटवाड़ा व्यापार मंडल अध्यक्ष शंकर लाल शर्मा, महासचिव मनोज सिंह चौहान, रानी बाजार अध्यक्ष मोहन सिंह, 100 फीट रोड व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय सैनी, जगन्नाथ व्यापार मंडल अध्यक्ष नारायण सोनी, फतेह मार्केट व्यापार मंडल अध्यक्ष मनसुफ सेठी, महावीर सिंह कराड तथा कई संख्या में पीड़ित व्यापारी मौजूद थे। कई वक्ताओं ने अपनी बात रखी तथा प्रशासन से अपील करी कि जब तक न्यायालय में व्यापारियों को सुना जाए जब तक कोई एक तरफा कार्रवाई न करें।

कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल और पेइंग गेस्ट सुविधा के लिए जेडीए करेगा भूमि आवंटन

जयपुर। राजधानी में रोजगार के लिए शहर से बाहर के क्षेत्रों से आने वाली कामकाजी महिलाओं को आवास सुविधा विकसित करने के लिए जयुपर विकास प्राधिकरण हॉस्टल और पेइंग गेस्ट बनाने के लिए जेडीए योजना में भूमि का आवंटन करेगा। इसके साथ ही बस्सी में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए आठ हजार वर्गमीटर भूमि आवंट करेगा। जेडीए के मंथन सभागार में भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की सोमवार को आयोजित 205वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए जेडीए आयुक्त आनंदी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा के तहत कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल एवं पेइंग गेस्ट सुविधा के लिए जोन 9 में जेडीए आवासीय योजना रामचन्द्रपुरा में 3 हजार 656 वर्ग मीटर का आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन किया गया है।

सरकार के पास भेजेंगे प्रस्ताव

अब यह प्रस्ताव स्वीकृति के लिए राज्य सरकार को भिजवाया जाएगा और स्वीकृति के बाद जमीन का आवंटन कर दिया जाएगा। जोन जोन 7 में ही जेडीए की योजना गोविन्दपुरा करधनी के सी ब्लॉक के संस्थानिक भूखण्ड संख्या सी 2 कुल क्षेत्रफल 3 हजार 911 वमी में से 1500 वमी भूमि पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सहायक अभियन्ता उपखण्ड कार्यालय परिसर के लिए निःशुल्क भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति के लिए भिजवाया जाएगा।

यह भी किया – जेडीए आयुक्त ने बताया कि जोन 13 में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अनन्तपुरा जैतपुरा चौमूं के भवन निर्माण के लिए अनन्तपुरा ग्रुप हाउसिंग योजना के आरक्षित भूखण्ड क्षेत्रफल 15885.98 वर्गमीटर में से चार हजार वर्गमीटर भूमि का आवंटन, अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बस्सी के लिए राजस्व ग्राम बस्सी ठोस कचरा प्रबंधन/एमआरएफ एवं एफएसटीपी की स्थापना के लिए करीब आठ हजार वर्गमीटर भूमि संस्थानिक आरक्षित दर पर आवंटन का प्रस्ताव अनुमोदन कर प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति के लिए भिजवाई जाएगी।

सर्दी ने गिराया ताप का मान, शीतलहर और कोहरे का अलर्ट

जयपुर। प्रदेश में मावठ का दौर खत्म होने के बाद अब शीतलहर और गलन भरी ठंड का प्रकोप काफी बढ़ गया है। राजधानी जयपुर सहित शेखावाटी और सीमावर्ती जिलों में ठंड बेकाबू हो रही है। लोग तेज सर्दी और शीतलहर से बेहाल हैं। वहीं कोहरा भी जयपुर सहित जोधपुर, कोटा, अजमेर, जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, भरतपुर, दौसा सहित ज्यादातर जिलों में देखने को मिल रहा है। ऐसे में दृश्यता सुबह के समय 50 मीटर से भी कम देखी गई है। मौसम विभाग ने भी अगले तीन-चार दिन तक राजस्थान में शीतलहर और गलन भरी सर्दी रहने की संभावना जताई है। ऐसे में नए साल की शुरुआत भी कड़ाके की ठंड के साथ ही होगी।

चित्तौड़गढ़ में पारा 5.3 डिग्री – चित्तौड़गढ़ में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री दर्ज किया गया। साथ ही दिन का तापमान सोमवार को सबसे कम गंगानगर में 13.2 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में भी अधिकतम तापमान 19.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री दर्ज किया गया।

इन जिलों में रहेगा शीतलहर का असर – मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जयपुर, बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, सीकर, अलवर, दौसा, भरतपुर और नागौर जिले में मंगलवार को भी शीतलहर और गलन भरी सर्दी का असर रहेगा।

अस्पताल खुद बीमार, कैसे होगा उपचार !

बकानी। झालावाड़ जिले के बकानी के सलावद राजकीय आयुर्वेद औषधालय के हाल बेहाल है। बिगड़ रही व्यवस्थाओं पर जाकर हाल जाना तो औषधालय में आयुर्वेद चिकित्सक प्रातः ग्यारह बजे तक भी औषधालय में नहीं मिले, मरीज उनके आने का इंतजार करते नजर आए। इस तरह चिकित्सक का समय पर नहीं पहुंचना गंभीर सवाल खड़ा करता है। वही जहां रेजिडेंस नहीं बना हुआ है। उस बिल्डिंग को भी चिकित्सक रेजिडेंस के रूप में काम में ले रहे है। राजकीय आयुर्वेद औषधालय सलावद में तैनात चिकित्सक पर गंभीर आरोप निकलकर भी सामने आया है। जिसमें उन पर अक्सर यह आरोप लगता है कि वो जब चिकित्सालय के बाहर की जो दवाईयां लिखते है वो सिर्फ सलावद के ही मेडिकल से मरीजों को लाने के लिए बाध्य करते है। अकसर ओपीडी समय पर भी गेट बंद रहताः राजकीय आयुर्वेद औषधालय सलावद में औषधालय खुलने के समय भी हमेशा मेनगेट लगा रहता है। जिससे मरीजों को खोलकर अंदर जाना पड़ता है। जबकि नियम से किसी भी ऑफिस कार्यालय का कार्यालय आदि खुलने के समय मुख्य द्वार खुला रहना चाहिए।

स्टॉफ की कमी बड़ी परेशानी– राजकीय आयुर्वेद औषधालय सलावद में एक महत्वपूर्व विषय यह निकलकर आया कि यह औषधालय सिर्फ और सिर्फ एक ही चिकित्सक के भरोसे चल रहा है। यहां ना तो कोई कंपाउंडर है, ना कोई चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जो बड़ा गंभीर विषय है, लेकिन बड़ा ही विचलित करने वाला विषय यह निकलकर आया कि इस औषधालय में लगे चिकित्सक ने कभी उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र आदि लिखकर मांग करना उचित नहीं समझा कि यहां स्टॉफ की कमी है। राजकीय आयुर्वेद औषधालय सलावद में दो योग टीचर लगा रखे, जिनका काम योग करवाना है।

शहर की सड़कें: कहीं आमजन को राहत, कहीं आहत

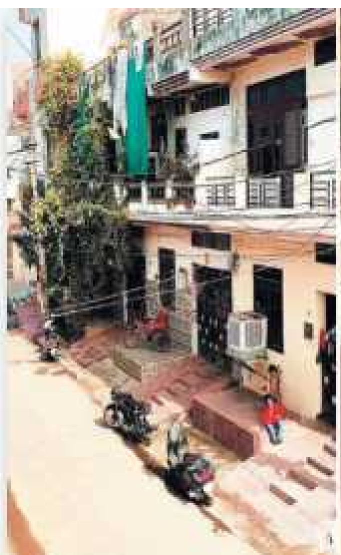

जयपुर। शहर में सड़कों की मरम्मत हो या फिर नई सड़क बनाने का प्रकरण हो निर्धारित मापदंडों की पालना नहीं हो रही है। इससे आमजन को फायदा मिलने के साथ ही परेशानियों में भी इजाफा हो रहा है। शहर के बाहरी इलाकों में जहां सड़कें बनाने के साथ ही मरम्मत होती है वहां 30 फीट या फिर 40 फीट चौड़ी सड़क पर तीन मीटर तो कहीं चार मीटर डामरीकरण किया जा रहा है। इसके बाद शेष क्षेत्र में लोगों द्वारा सड़क पर ही अतिक्रमण कर लिया जाता है। इसके साथ ही सड़कों पर परत दर परत किए जा डामरीकरण के चलते राजधानी की पुरानी कॉलोनियों के साथ ही चादीवारी क्षेत्र में सड़कें मकानों एवं दुकानों से ऊपर पहुंच गई है। इसके चलते बारिश के दौरान लोगों को बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। वहीं शहर के बाहरी इलाकों में विकसित हो रही कॉलोनियों में बनाई जा रही सड़कों पर मकान काफी ऊपर रहते हैं ऐसे में लोग वाहनों की पार्किंग के लिए लंबे-लंबे खुर्रे बनाकर सड़कों पर अतिक्रमण कर रहे हैं। चार दीवारी में ब्रह्मपुरी, चांदपोल, रामगंज और घाटगेट इलाकों सहित प्रदेश के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक तथा सी-स्कीम में मंत्रियों के बंगले तक सड़कों से नीचे हो गए हैं और बारिश के दौरान पानी तक भर जाता है।

बढ़ रहे हैं विवाद

शहर के बाहरी इलाकों में विकसित हो रही कॉलोनियों में सड़कों पर छूटी जगहों पर मकानों के आगे खुर्रे बनने से सड़कें सकड़ी हो रही हैं और पड़ौसियों में पार्किंग, पेड़ पौधे लगाने सहित अन्य विवाद भी बढ़ जाते हैं। राजधानी जयपुर में जगतपुरा, मालवीय नगर, पृथ्वीराजनगर, अजमेर रोड और टोंक रोड सहित कई क्षेत्रों की कई कॉलोनियों के मामले तो न्यायालयों तक भी पहुंचे।

नई सड़कों पर डामरीकरण के नियम

तीस फीट चौड़ी सड़कों पर एक लेन 3.06 मीटर चौड़ाई में एवं चालीस फीट चौडी रोड पर करीब चार मीटर पर डामरीकरण किया जाता है। इसके साथ ही साठ फीट चौड़ी रोड पर करीब साढ़े पांच मीटर चौड़ाई में डामरीकरण किया जाता है। वहीं 80 फीट पर दो-दो लेन डामरीकरण करने के साथ ही नियमो मीडियन भी बनाना होता है। 80 फीट से अधिक सड़कों पर लेन सिस्टम के हिसाब से डामरीकरण, फुटपाथ मीडियन एवं स्पिल लेन बनानी होती है।

इनका कहना है

अब सड़कों की मरम्मत के दौरान पहले मिलिंग की जाती है उसके बाद ही उस पर डामरीकरण किया जाता है जिससे सड़क परत दर परत ऊंची नहीं हो और लोगों के घरों में पानी नहीं जाएं।

-अजय गर्ग, डायरेक्टर इंजीनियरिंग, जयपुर

सड़कों पर अतिक्रमण नहीं हो इसके लिए डामरीकरण के साथ ही नालियां बनाने एवं फुटपाथ पर पेड़ों की जगह छोड़ते हुए टाइल्स लगा दी जा जाएं। इससे सड़कों पर अतिक्रमणों की समस्या भी दूर हो जाएगी और कॉलोनियों में हरियाली को भी बढ़ावा मिलने के साथ ही सौन्दर्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

-केसी मीना, उपाध्यक्ष,
इंडियन रोड कांग्रेस एवं पूर्व चीफ इंजिनियर राजस्थान आवासन मंडल

राजस्थान में नव वर्ष मनाने के लिए पर्यटकों का उमड़ा सैलाब

जयपुर। पर्यटकों के पंसदीदा एवं विश्व प्रसिद्ध राजस्थान में नववर्ष मनाने के लिए सैलानियों का सैलाब उमड़ पड़ा हैं और राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं जिससे रौनक बढ़ गई हैं। शीतकालीन अवकाश के चलते क्रिसमस दिवस से ही प्रदेश में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जैसलमेर, माउंटआबू सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों पर देशी विदेशी पावणों का जमावड़ा लगा हुआ है, और अब वर्ष 2024 को विदाई देने एवं आने वाले नव वर्ष 2025 का जश्न मनाने के लिए लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं वहीं नये साल मनाने के लिए प्रदेश के विभिन्न शहरों में लोगों के आने का तांता लग गया हैं, और लगभग सभी होटल, रेस्टोरेंट आदि अभी से फुल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोगों ने नये साल का जश्न मनाने के लिए पहले ही अपने रुकने की जगह बुक करा ली थी और अब उनकी भीड़ जुटने लगी हैं जिससे पर्यटन स्थलों के मार्गों पर जाम की स्थिति बनने लगी है। पर्यटन विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जयपुर में पिछले दो दिन में पर्यटकों की भीड़ बढ़ी हैं और गत 29 दिसंबर को प्रसिद्ध आमेर किले में 15 हजार 146 पर्यटक आये। इसी तरह 13 हजार 532 लोगों ने हवा महल को देखा जबकि नौ हजार 813 पर्यटक नाहरगढ़ किले पहुंचे और इस ऐतिहासिक स्थल का भ्रमण किया एवं नौ हजार 797 पर्यटकों ने जंतर मंतर का दीदार किया। इसी तरह ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल देखने के लिए बड़ी संख्या लोग पहुंचे और यहां सात हजार 320 लोगों ने इसका भ्रमण किया। इससे पहले भी बड़ी संख्या में पर्यटकों ने इन स्थलों का भ्रमण किया जिसमें आमेर महल में 15 हजार 881, जंतर मंतर में नौ हजार 188, हवामहल में 13 हजार 22, अल्बर्ट छह हजार 975 लोगों ने भ्रमण किया। इसके मद्देनजर इन स्थलों पर सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से की गई हैं ताकि यहां आने वाले किसी भी सैलानी को परिशानी का सामना नहीं करना पड़े।

मालदीव को 14-0 से रौंदा

भारतीय महिला फुटबॉल टीम की सबसे बड़ी इंटरनेशनल जीत

बैंगलुरू, एजेंसी। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लिंडा कोम सेर्टो ने अपने पदार्पण मुकाबले में चार गोल किए जबकि प्यारी शाशा ने महज आठ मिनट के अंतराल में हैट्रिक बनाई जिससे भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मालदीव को 14-0 से हरा दिया।इसके साथ ही भारत के स्वीडन के नवनियुक्त कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने अपने कार्यकाल की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में शाशा ने मेजबान टीम के लिए सातवें, आठवें और 15वें मिनट में गोल दागे और इस बीच 12वें मिनट में लिंडा के गोल में मदद की। पूरी तरह से एकतरफा रहे मैच में लिंडा ने 12वें, 21वें, 29वें और 52वें मिनट में गोल किए। मैच में कुछ समय के लिए व्यवधान आया जब एक लाइनमैन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया और वह मैदान पर भाग रहा था जिससे खेल रोकना पड़ा। यह घटना मध्यांतर से पहले अंतिम मिनट में हुई और मैच 15 मिनट बाद फिर से शुरू हुआ। भारत मध्यांतर तक 8-0 से आगे था। भारत के लिए नेहा ने भी 16वें और 45वें मिनट में दो गोल करके अपने पदार्पण का जश्न मनाया जबकि काजोल डिसूजा ने भी 59वें और 66वें मिनट में दो गोल किए। अन्य गोल करने वाली खिलाड़ी संगीता बसफोर (51वें मिनट), सोरोखैबम रंजना चानू (54वें मिनट) और रिम्पा हलदर (62वें मिनट) रहीं। मालदीव के खिलाफ दूसरा और अंतिम मैत्री मैच दो जनवरी को यहीं खेला जाएगा। अलेक्जेंडरसन ने आठ खिलाड़ियों को पदार्पण का मौका दिया जिनमें से तीन ने आक्रमण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया करते हुए आठ गोल किए। यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में भारतीय महिला टीम की सबसे बड़ी जीत में से एक है। टीम ने 2010 में बांग्लादेश में सैफ चैंपियनशिप में भूटान को 18-0 से हराया था।

आईपीएल नीलामी में नहीं बिके ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का क्रिकेट में धमाकेदार प्रदर्शन, 11 साल बाद जड़ा अर्धशतक

नइदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी डेविड वॉर्नर को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के ऑक्शन में में किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा। बिग बैश लीग 14 में उनकी तूफानी बल्लेबाजी देखने को मिली है। उन्होंने 11 साल बाद लीग में अर्धशतक जड़ा और सोमवार (30 दिसंबर) को सिडनी थंडर को मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ आठ रन से जीत दिलाई। वॉर्नर ने टूर्नामेंट की शुरुआत अच्छी नहीं की थी। वॉर्नर ने 57 गेंदों पर नाबाद 86 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की। थंडर ने 4 विकेट पर 156 रन बनाए। इसके बाद वेस अगर ने 32 रन देकर 4 विकेट लिए और रेनेगेड्स 8 विकेट पर 148 रन ही बना पाई। इससे थंडर ने एंजी स्टेडियम के अपने घरेलू मैदान पर 734 दिन बाद पहली जीत दर्ज की। इस परिणाम के साथ थंडर बीबीएल अंक तालिका में सिडनी सिक्सर्स के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया। रेनेगेड्स 2 जीत और 2 हार के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया।

निश्चित रूप से हार्दिक पांड्या से बेहतर...गावस्कर ने नितीश रेड्डी की जमकर तारीफ की

नइदिल्ली, एजेंसी। भारत के 21 वर्षीय नितीश कुमार रेड्डी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अच्छी छवि बनाई हैं। यह युवा खिलाड़ी संकटमोचक बनकर उभरा है जिसने बार-बार मुश्किल परिस्थितियों से भारत को बाहर निकाला है।

हाल ही में संपन्न मेलबर्न टेस्ट में जिसमें भारत 184 रनों से हार गया था, नितीश ने ही पहली पारी में अपना पहला शतक बनाकर भारत को मैच में बनाए रखा था। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर नितीश कुमार रेड्डी के दृढ़ संकल्प से काफी प्रभावित हैं, उन्होंने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में से एक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि नितीश कुमार रेड्डी की बल्लेबाजी हार्दिक पांड्या से बेहतर है, जब उन्होंने टीम इंडिया के लिए खेलना शुरू किया था।

मेलबर्न टेस्ट में नितीश कुमार रेड्डी पहली पारी में नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने आए थे। उन्होंने 114 रन बनाकर भारत को हार से उबारने में मदद की। युवा खिलाड़ी के पिता की स्टैंड में मौजूदगी ने इस पल को और खास बना दिया। गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा, मेलबर्न टेस्ट ने भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकते युवा सितारों में से एक नीतीश कुमार रेड्डी को सामने ला दिया। वह आईपीएल में हैदराबाद फ्रैंचाइजी के लिए अपने प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के ध्यान में आए। उन्होंने प्रथम श्रेणी स्तर पर कुछ खास नहीं किया था, लेकिन अजीत अगरकर और उनके साथी चयनकर्ताओं को उन्हें टेस्ट क्षेत्र में लाने के लिए पर्याप्त जानकारी थी। गावस्कर ने कहा, पर्थ में अपने पहले टेस्ट मैच में ही यह स्पष्ट हो गया था कि यह एक ऐसा क्रिकेटर है जो परिस्थितियों को समझ सकता है और उसके अनुसार खेल सकता है। प्रत्येक अगले टेस्ट मैच के साथ, उनके कंधों पर एक अच्छे क्रिकेटिंग हेड की छाप और मजबूत होती गई।

नीतीश कुमार रेड्डी ने पहले पर्थ और एडिलेड में 40 रन की कीमती पारियां दर्ज की थीं। लेकिन उन्होंने मेलबर्न में पैट कमिंस, नाथन लियोन, मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के खिलाफ अपने शतक से पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा।

रोहित शर्मा ने लिया रिटायरमेंट का फैसला! बीसीसीआई जल्द कर सकता है एलान?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद रिटायरमेंट लेने वाले हैं.

एक मीडिया रिपोर्ट अनुसार रोहित मौजूदा सीरीज के बाद अपने करियर को लेकर बहुत बड़ा फैसला लेने वाले हैं. बता दे कि उनकी कप्तानी में भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को जीतने में नाकाम रहा है, एक ऐसी सीरीज जिसे टीम इंडिया पिछली चार बार से जीतती आ रही है. वहीं उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज की 5 पारियों में केवल 31 रन बनाए हैं.

रिपोर्ट अनुसार बीसीसीआई के उच्च अधिकारी और चयनकर्ताओं ने पहले ही रोहित से बात कर ली है और ऐसा लगता है जैसे हिटमैन अपना फैसला नहीं बदलेंगे. अभी तक रिटायरमेंट की तारीख सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट अनुसार रोहित सिडनी टेस्ट के बाद अपने टेस्ट करियर का अंत कर सकते हैं. यदि भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच जाता है तो रोहित कुछ समय और कप्तान पद पर बने रहने के लिए चयनकर्ताओं से बात कर सकते हैं. मेलबर्न टेस्ट की हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि वो इस हार से अवश्य ही आहत हुए हैं.

एक तरफ जसप्रीत बुमराह हैं, जो अकेले दम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 30 विकेट ले चुके हैं. दूसरी ओर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने केवल 31 रन बनाए हैं. संभव ही रोहित की टेस्ट रिटायरमेंट ज्यादा दूर नहीं लेकिन वो सिडनी टेस्ट में बिना लड़ाई करे लंबे फॉर्मेट से संन्यास नहीं लेना चाहते.

मेलबर्न की हार पर क्या बोले रोहित शर्मा

मेलबर्न टेस्ट में भारत को 184 रनों की हार मिली थी, जिसके चलते ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है. रोहित शर्मा ने हार पर कहा कि ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो उनके अनुसार नहीं हो पा रही हैं. उन्होंने यह भी बताया कि ये हार मानसिक तौर पर झकझोर देने वाली है.

ऋषभ पंत के आलोचकों को संजय मांजरेकर का जवाब

नइदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में एक समय पर ड्रॉ के करीब दिख रही थी। हालांकि आखिरी सेशन में सात विकेट गंवाना के बाद टीम यह मैच गंवा बैठी। इस मैच में ऋषभ पंत को गलत शॉट खेलकर आउट होने के लिए आलोचना का शिकार होना पड़ा। उनके आउट होने के बाद ही ऑस्ट्रेलिया को मैच में वापसी का मौका मिला।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने ऋषभ पंत की समर्थन करते हुए कहा कि उनकी इस तरह की आलोचना नहीं होनी चाहिए।

सुनील गावस्कर ने ऋषभ पंत के आंकड़े गिनाए

संजय मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, 'ऋषभ पंत की सिर्फ उनके फेल होने के लिए आलोचना होनी चाहिए इसलिए नहीं कि वह कैसे फेल हुए। टेस्ट में उनकी 42 की औसत है और कम से कम तीन शानदार पारियां खेलने वाले भारतीय है। 42 टेस्ट में उन्होंने 6 शतक लगाए हैं वहीं सात बार 90 से ज्यादा रन बनाकर आउट हुए। वह शानदार खिलाड़ी है लेकिन बस ज्यादा रन नहीं बना पा रहे हैं। बात बस यही है।'

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में नहीं चला था पंत का बल्ला

ऋषभ पंत का बल्ला बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में नहीं चला है। उन्होंने सात पारियों में 22 के औसत से केवल 154 रन बनाए हैं। मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में शनिवार को पंत ने स्कॉट बोलैंड की गेंद पर स्टंप्स के पार स्कूप शॉट लगाने का प्रयास किया लेकिन वह नाथन लियोन के हाथों में चला गया।

गावस्कर ने इस शॉट को खेलने के लिए ऋषभ पंत को बेवकूफ कहा था। उन्होंने कहा, 'यह तो अपना विकेट गंवाना जैसा है। वो भी तब जब टीम इन हालात में है। हालात को भी समझना चाहिए था। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह बेवकूफाना शॉट था। आपने टीम को निराश किया है। उसे ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए। पंत को दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए।'रोहित शर्मा ने कहा कि पंत को टीम की जरूरत समझनी चाहिए।

विनोद कांबली ने अस्पताल में किया नृत्य, वीडियो हुआ वायरल

ठाणे, एजेंसी। ठाणे जिले के एक अस्पताल में उपचार करा रहे विनोद कांबली का यहां नृत्य करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिससे इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर के स्वास्थ्य में प्रगति का पता चलता है। भारत की तरफ से 17 टेस्ट और 104 वनडे खेलने वाले 52 वर्षीय कांबली को मूत्र संक्रमण और मांसपेशियों में ऐंठन की शिकायत के बाद 21 दिसंबर को भिवंडी शहर के काल्हेर इलाके में आकृति अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कई तरह की चिकित्सा जांच के बाद उनके मस्तिष्क में थक्के का पता चला। कांबली का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने सोमवार को कहा कि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। इस वीडियो में अस्पताल में कांबली को पूरे जोश के साथ नाचते हुए दिखाया गया है, जो उनके स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार का संकेत देता है।

मिशेल मार्श के चोटिल होने की कोई चिंता नहीं है: मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने भारत के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में सीमित ओवरों के बावजूद ऑलराउंडर मिशेल मार्श के फिटनेस संबंधी किसी भी चिंता को खारिज कर दिया।मैक डोनाल्ड ने मार्श के सीमित समय तक गेंद के साथ खेलने को फिटनेस मुद्दे के बजाय मैच की स्थिति से जोड़ते हुए कहा, नहीं, कोई चिंता की बात नहीं है। मैक डोनाल्ड ने एमसीजी में यादगार जीत के बाद कहा, मुझे लगता है कि लोगों ने शायद इस बारे में बहुत अधिक पढ़ा (चोट के बारे में) है।

हमने उन्हें उतनी बार गेंद के साथ खेलने की आवश्यकता नहीं बताई जितनी हमने सोची थी। उन्होंने आज फिर से गेंदबाजी की। उनकी गति 120 (किमी प्रति घंटे) के आसपास है। चोट की कोई चिंता नहीं है। मुझे लगता है कि इस कोण से इस तरह की बात करना थोड़ा अनुचित है। हमें किसी कारण से कुछ समय के लिए उसकी आवश्यकता नहीं पड़ी। मुझे लगता है कि हमने श्रृंखला में जितने ओवर गेंदबाजी की है, वह शायद हमारे लिए फायदेमंद होगा। फ्रंट-लाइन पेसर मिशेल स्टार्क की फिटनेस के कारण सिडनी टेस्ट के लिए उस स्थान को भरने के लिए तेज गेंदबाज झाई रिचर्डसन और सीन एबॉट ऑस्ट्रेलिया की टीम में हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और मैकडॉनल्ड को श्रृंखला के अंतिम मैच के लिए स्टार्क की उपलब्धता पर भरोसा है।

मैकडॉनल्ड ने कहा, पूरी श्रृंखला में यह अपेक्षाकृत हल्का रहा है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि दोनों आक्रमण (अंतिम टेस्ट में) दबाव बनाने में सक्षम होने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे। तो क्या इसका मतलब है कि आपको पांचवें गेंदबाज की आवश्यकता है? मुझे लगता है कि आपको अभी भी पांचवें गेंदबाज की आवश्यकता है। लेकिन क्या आप पांचवें गेंदबाज पर बहुत अधिक मांग करने जा रहे हैं, संभवतः नहीं। इस सीरीज में उनके सीमित योगदान के कारण मार्श की बल्लेबाजी में संघर्ष और भी बढ़ गया है। पिछले सीजन में ऑस्ट्रेलिया के सबसे बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाज रहे एलन बॉर्डर मेडलिस्ट ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ 6 में से चार जीत में अर्धशतक जड़े थे। लेकिन वे 10.42 की औसत से सिर्फ 73 रन ही बना पाए हैं। खास बात यह है कि इनमें से 47 रन पर्थ में दूसरी पारी में आए, जब मैच पहले ही हाथ से निकल चुका था। इसकी तुलना में चौथे टेस्ट के लिए बाहर किए गए नाथन मैकस्वीनी ने 14.40 की औसत से 72 रन बनाए। एक कठिन सीरीज और आत्म-संदेह के इतिहास के बावजूद कोच मैक डोनाल्ड ने मार्श की मौजूदा मानसिकता पर भरोसा जताया।

उन्होंने कहा, क्या वे बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे? इसमें कोई संदेह नहीं है। चार टेस्ट मैचों में वे उस स्तर पर प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, जैसा वे और हम चाहते थे। लेकिन हां, वे आगे बढ़ रहे हैं। हमने अभी-अभी एक टेस्ट मैच जीता है। वह काफी अच्छे मूड में है। ऑस्ट्रेलिया ने रिचर्डसन को नए साल की पूर्व संध्या पर एडिलेड में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए बीबीएल मैच खेलने के लिए रिलीज किया। वह बुधवार को टीम में शामिल होंगे और चोटों के इतिहास के बावजूद कोच मैक डोनाल्ड ने आवश्यकता पड़ने पर खेलने के लिए उनकी तत्परता पर भरोसा जताया।

कोच ने कहा, बहुत आश्वस्त। वह किसी कारण से यहां है। इसलिए अगर हमें भरोसा नहीं होता, तो वह यहां नहीं होता। उसने हमारे साथ नेट्स में एक बहुत ही कठिन सप्ताह बिताया है। सभी संकेत हैं कि अगर उसे बुलाया जाता है तो वह 40 से अधिक ओवर गेंदबाजी करने में सक्षम होगा। सीन एबॉट भी वहां है। हमें लगता है कि (एससीजी) उसका घरेलू मैदान है, इसलिए अगर उसे बुलाया जाता है तो वह भी उपयोगी साबित होगा।

जसप्रीत बुमराह को मिलेगा क्रिकेट का सबसे बड़ा अवॉर्ड!

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में अपनी घातक गेंदबाजी से कहर बरपा रहे टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने साल का अंत भी शानदार अंदाज में किया है. मेलबर्न टेस्ट की दूसरी पारी में बुमराह ने 5 विकेट झटक लिए. सिर्फ ये टेस्ट ही नहीं, बल्कि इस पूरे साल बुमराह ने हर मोर्चे पर अपनी तूफानी गेंदों से बल्लेबाजों को मुश्किल में डाला है. इस शानदार प्रदर्शन का ही नतीजा है कि बुमराह को आईसीसी ने सबसे बड़े अवॉर्ड के लिए नामित किया है. स्टार पेसर को सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के लिए शॉर्ट लिस्ट किया गया है, जो साल के बेस्ट क्रिकेटर को दी जाती है. इसके साथ ही उन्होंने एक खास उपलब्धि भी हासिल कर ली है. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से बुमराह ने जमकर कहर बरपाया है. पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन के बाद मेलबर्न में भी उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की नाक में दम किया. हालांकि उनका ये प्रदर्शन भी टीम इंडिया को हार से नहीं बचा सका लेकिन स्टार गेंदबाज ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से पूरी दुनिया को प्रभावित किया है. इधर टीम इंडिया को

हार मिली, उधर आईसीसी ने बुमराह को क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड के दावेदारों में शामिल किया है. इसके अलावा बुमराह को टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए भी शॉर्ट लिस्ट किया गया है.

इस साल ऐसा रहा बुमराह का प्रदर्शन: बुमराह ने इस साल सिर्फ टेस्ट और टी20 फॉर्मेट के मुकाबलों में हिस्सा लिया और उनमें अपनी गेंदबाजी से टीम इंडिया को कई यादगार जीत दिलाई. टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सबसे ज्यादा 15 विकेट लेकर उन्होंने टीम इंडियो को चैंपियन बनाया था. उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था. वहीं टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी गेंदों का बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था. बुमराह ने साल का अंत सिर्फ 13 टेस्ट में 71 विकेट के साथ किया, जो इस साल सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है. उनका औसत भी 14.92 का रहा, जो इस खेल के इतिहास में सबसे शानदार रहा है.

क्या जीत पाएंगे सबसे बड़ा अवॉर्ड?

ऐसे में बुमराह इस अवॉर्ड को जीतने के सबसे बड़े दावेदार हैं. वो इस अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट होने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज हैं. हालांकि उनकी टक्कर जिन खिलाड़ियों से है, वो भी कम नहीं हैं. इसमें इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट भी हैं, जिन्होंने इस साल 17 टेस्ट में 55 की औसत से सबसे ज्यादा 1556 रन बनाए. वहीं ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी रेस में हैं. बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 9 टेस्ट में 40 की औसत से 608 रन और 15 टी20 इंटरनेशनल में 178 की स्ट्राइक रेट से 539 रन कूटे.

थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी ने किया 2025 का स्वागत

हैदराबाद (एजेंसी),

थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी (TSCS) ने नए साल 2025 का स्वागत एक प्रेरणादायक उत्सव के साथ किया, जिसमें स्टाफ, मरीज और उनके परिवार के लोग खुशी, उम्मीद और सामुदायिक एकजुटता के दिन के लिए एक साथ आए।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य के लिए अथक परिश्रम करने वाले समर्पित चिकित्सा और सहायक कर्मचारियों के बीच के बंधन को मजबूत करना था।थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया, और इस वर्ष TSCS द्वारा की गई प्रगति और इन स्थितियों से पीड़ित लोगों को निरंतर सहायता की आवश्यकता के महत्व पर प्रकाश डाला।डॉ. अग्रवाल ने प्रोत्साहन और आशावाद के शब्द साझा किए, और मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में टीमवर्क, करुणा और चिकित्सा प्रगति की भूमिका पर जोर दिया। डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने कहा, "यह उत्सव हमारे रोगियों की तन्यकता और हमारे कर्मचारियों की अटूट प्रतिबद्धता की याद दिलाता है।

जैसे-जैसे हम 2025 में प्रवेश कर रहे हैं, हम उन लोगों को सर्वोत्तम देखभाल और सहायता प्रदान करने के लिए अपने समर्पण को नवीनीकृत करते हैं, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।" इस कार्यक्रम में संगीत, नृत्य प्रदर्शन और उत्सव के भोजन सहित कई गतिविधियाँ शामिल थीं, जिससे रोगियों और उनके परिवारों को सामान्यता और एकता की भावना का अनुभव हुआ।

समारोह थैलेसीमिया और सिकल सेल रोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में भी काम करता है, साथ ही समाज जनता को शिक्षित करने और बेहतर स्वास्थ्य सेवा और अनुसंधान की वकालत करने के अपने मिशन को जारी रखता है। नए साल की शुरुआत के साथ, थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसायटी इन रक्त विकारों से प्रभावित व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उन्हें वह देखभाल और सहायता मिले जिसके वे हकदार हैं।

जैन सिंचाई प्रकल्प किसानों के हित में कार्य कर रहा: सौम्या मांडा

हैदराबाद, (एजेंसी),

किसानों की बुनियादी एवं आर्थिक विकास हेतु विदर्भ एवं तेलंगाना राज्य के तकरीबन 40 पत्रकारों का जमावड़ा मिडिया क्षेत्र के जाने-माने पत्रकार आनंद आंबेकर ,स्मिथ डिजिटल मीडिया के संचालक देवनाथ गंडाते के नेतृत्व में जलगांव स्थित जैन सिंचाई परियोजना के कार्यस्थल पर जैन संस्था द्वारा किसानों के हित में जो कार्य चल रहा है । इसकी जानकारी संस्था की गाईड सौम्या ने दी।

सौम्या मांडा ने मीर्च,पपीता,आम तरबूज, केले, ककड़ी का बीज से लेकर फसल उत्पादन एवं मंडी तक का किसान को मुनाफे संबंधी हैदराबाद हिंदी डेली के मुख्य संपादक बी .संदेश को साक्षात्कार के दौरान विस्तृत जानकारी दी। अवसर पर तेलंगाना राज्य के हैदराबाद आदिलाबाद , विदर्भ के चंद्रपुर, यवतमाल,नागपुर जिले के विविध समाचार पत्रों के पत्रकार, उप संपादक एवं संपादक उपस्थित थे।

हैदराबाद (एजेंसी),प्रगति टाइम्स के कैलेंडर का विमोचन तेलंगाना राज्य मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने अकादमी कार्यालय में किया।अवसर पर असोसिएशन के अध्यक्ष युसूफ बाबू,संपादक अफरोज कुरैशी,व्यकंटय्या, अजमद खान,अशोक तथा अन्य उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नित्य अन्नप्रसाद सेवा

हैदराबाद (एजेंसी),

राधे राधे ग्रुप द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे @पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली, भाग्यनगर पर पौष मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा पर हरचंद्रजी कौशल्यादेवी अग्रवाल परिवार (पटवारी फार्मा)द्वारा सेवा की गई।इस अवसर पररामप्रकाश अग्रवाल सुनीता अग्रवाल महेश अग्रवाल अशोक अग्रवाल ई. जगन (चंपापेट) रोहित अग्रवाल सुशील गुप्ता शीतल गुप्ता मनीष फिटकारीवाला उमाकांत गुप्ता - गुप्ता प्रीतिका अग्रवाल उर्मिला राजेश योगा सरजी और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थित थे।

अखिल भारतीय सीरवी बैडमिंटन टूर्नामेंट का बेंगलूरू में हुआ समापन

पूरे भारतवर्ष से 270 खिलाड़ियों ने लिया भाग

बेंगलूरू (एजेंसी),

अखिल भारतीय सीरवी बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन कनकपुरा रोड स्थित अंजनापुर रिसोर्ट में किया गया। टूर्नामेंट का शुभारंभ आई माताजी तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित से हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि भारत के पूर्व विश्व चैंपियन व अंतर्राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन के खिलाड़ी बी,.आनंद कुमार के कर कमलों द्वारा खेल शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सीरवी महासभा कर्नाटक के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार, महासचिव अमरचन्द सानपुरा, कोषाधक्ष्य पोकरराम राठौड़, सीरवी समाज सुकतंकट्टे वडेर के संरक्षक इन्द्रलाल सोलंकी, सुरेश सैणचा, गोपाल शर्मा, खेल मंत्री कैलाश भायल, सीरवी समाज कनकपुरा रोड वडेर के सचिव हरजीराम आदि उपस्थित रहे। इस टूर्नामेंट में पूरे भारतवर्ष से 270 प्रतिभागी खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें 13 वर्ष की आयु में धीरज सीरवी प्रथम स्थान, मयंक औ दूसरे स्थान व समर एस तीसरे स्थान पर रहा। महिला एकल में संगीता प्रथम, लक्ष्मी देवी दूसरे व भावना तीसरे स्थान पर रही। वही 19 वर्ष के आयु में आर्यन प्रथम, दीपेश दूसरे व रितेश तीसरे स्थान पर रहा। एकल प्रतियोगिता में सागर प्रथम, करन दूसरे व आर्यन तीसरे स्थान पर रहा। पुरूष युगल में जगदीश व आर्यन प्रथम, दीपक व मुकेश दूसरे स्थान और अरविंद व दिनेश तीसरे स्थान पर रहे। इसी कड़ी में 40 वर्ष से ज्यादा आयु बडल्स में तरूण काग व राजेश प्रथम व ओम सीरवी व पुंजी दूसरे स्थान वही मोहनलाल व धनराज तीसरे स्थान पर रहे। मिश्रित युगल में कोमल व मनोज प्रथम, संदीप व संगीता दूसरे और नितिन व राधा तीसरा स्थान प्राप्त किया। डबल 65 वर्ष से अधिक आयु में मोहन लाल व दीपक प्रथम प्रथम, तरूण व दिनेश दूसरे व राकेश और धनराज तीसरे स्थान पर विजेता रहे। विजेता खिलाड़ियों को मोमेंटो द्वारा सम्मान किया गया।

टूर्नामेंट के आयोजक डी.आर. चौधरी, तरूण काग, गौतम चंद मुलेवा, सुनील हाम्बड, दुर्गेश गहलोत, हीरालाल एवं एआईसीसी विभाग प्रमुख कर्नाटक के जगदीश, गगनदीप सिंह हाम्बड आदि उपस्थित रहे। संचालन गौतम मुलेवा ने किया।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net